हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 224, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 15 फरवरी, 2024 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

शंभू-जींद बॉर्डर पर टकराव पथराव... बैरिकेड तोड़े गए

पुलिस ने किसानों पर बरसाई लाठियां, आंसू गैस के गोले भी दागे

चंडीगढ़/नई दिल्ली/ पटियाला/ करनाल/रोहतक। एमएसपी गारंटी कानून और कर्जमाफी समेत 12 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे पंजाब के किसानों ने सरकार से वार्ता विफल होने के बाद मंगलवार सुबह दिल्ली के लिए कूच किया। पंजाब के विभिन्न इलाकों से ट्रैक्टर ट्रॉलियों में टेंट व राशन लेकर निकले किसानों को हरियाणा के बॉर्डर पर रोक दिया गया। सील किए गए पटियाला के शंभू और जींद के दातासिंह वाला बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों की बीच कई बार टकराव हुआ। पथराव कर रहे और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश कर रहे किसानों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले, वाटर कैनन और रबड़ की गोलियां चलाईं। जींद में लाठियां बरसाई गईं। दोनों बॉर्डर पर हुए टकराव में लगभग 100 किसान व अंबाला के नारायणगढ़ के डीएसपी आदर्शदीप समेत पुलिस व अर्धसैनिक बलों के 27 जवान घायल हुए हैं। पंजाब-हरियाणा सीमा के 14 में से तीन एंट्री प्वाइंट्स पर करीब 20 हजार

किसान जमा हैं। उनको रोकने के लिए हरियाणा में अर्धसैनिक बलों की 64 कंपनियां और पुलिस की 50 कंपनियां तैनात हैं। मंगलवार रात 8 बजे तक पंजाब के किसान कहीं से भी हरियाणा में प्रवेश नहीं कर पाए । तब किसानों ने एलान किया कि अब वे कूच करेंगे। रात को किसानों ने जहां हैं, वहीं डेरा डाल दिया। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के आह्वान पर पंजाब के फतेहगढ़ साहिब, लाडोवाल और अमृतसर से 10 बजे किसानों के जत्थे दिल्ली कूच के लिए निकले। प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। किसान बॉर्डर पर लगे बैरिकेड हटाने के लिए जेसीबी मशीन भी साथ लेकर निकले हैं। हरियाणा पुलिस की ओर से बॉर्डर पर जैमर लगाने के कारण पंजाब की तरफ भी इंटरनेट सेवाएं बंद हो गई हैं। कई किसान नेताओं को हिरासत में लिया गया है। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के नेता सरवन सिंह पंधेर ने सीमाओं पर बैरिकेडिंग करने की निंदा की। कहा कि ऐसा नहीं लगता कि पंजाब और हरियाणा दो राज्य हैं। ऐसा लगता है कि उनकी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। हरियाणा को कश्मीर घाटी में बदल दिया गया है। हम सरकार के साथ किसी भी टकराव में शामिल नहीं होंगे। सरकार हम पर गोलियां चला सकती है या लाठीचार्ज कर सकती है। पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान भी हमारे भाई हैं। हमारा मार्च शांतिपूर्ण होगा। हरियाणा पुलिस की प्रवक्ता व एआईजी मनीषा चौधरी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया गया। भारी पथराव किया, जिसके जवाब में हरियाणा पुलिस ने वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। प्रदर्शन की आड़ में किसी को भी उपद्रव फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे लोगों पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। शंभू बार्डर पर अमृतसर से कई किसान जेसीबी और मिट्टी की ट्रॉलिया लेकर पहुंचे। किसान कंटीली तारों और कीलों पर मिट्टी बिछाकर दिल्ली कूच करने की येाजना बना रहे हैं। पुलिस ने हरियाणा के किसान नेताओं के घर पर दबिश दी और करीब एक दर्जन किसान नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद कर दिया गया।

यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका, पूर्व पीएम के पोते ने पार्टी को कहा अलविदा; भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते विभाकर शास्त्री ने पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, माननीय कांग्रेस अध्यक्ष श्री खरगे जी! आदरणीय महोदय, मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा देता हूं।" अभी तक इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है कि आखिर उन्होंने यह कदम क्यों उठाया है। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद विभाकर शास्त्री ने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। विभाकर शास्त्री ने कांग्रेस के टिकट पर वर्ष 1998 में उत्तर प्रदेश की फतेहपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें महज 24,688 वोट ही मिले। इसके बाद साल 1999 में उन्होंने चुनाव लड़ा। इसके दस साल बाद 2009 में चुनावी मैदान में उतरे। तीनों बार उन्हें असफलता हासिल हुई। तीन बार प्रयास के बाद भी वह अपने पिता (हरिकृष्ण शास्त्री) की विरासत को नहीं सहेज पाए।

'हमारे ऊपर गोलियां चलाई गईं... किसानों पर लाठीचार्ज किया गया' : किसान नेता

अंबाला। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़ने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। शंभू बॉर्डर पर एक संवाददाता सम्मेलन में पंधेर ने कहा कि हमारे बारे में एक धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है। हम यहां सरकार के साथ टकराव के लिए नहीं आए हैं। पंधेर ने कहा कि हम इस देश के किसान हैं, हम लड़ाई नहीं करते। हम एमएसपी गारंटी कानून, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने की मांग करते हैं, जिसे आपने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि हम एमएसपी कानून पर कायम हैं। सरकार एमएसपी कानून लागू करे। पीएम मोदी बड़ा दिल दिखाएं। हम बातचीत के लिए तैयार थे, तैयार हैं। सरकार आंदोलन को बदनाम कर रही है। हम टकराव नहीं चाहते। किसी राजनीतिक पार्टी से हमारा लेना-देना नहीं है। पंधेर ने दावा किया कि लगभग 10,000 किसान शंभू सीमा पर डटे हुए हैं। किसान यहां शांतिपूर्ण स्थिति बनाए हुए हैं लेकिन हमारे खिलाफ ड्रोन के जरिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया जा रहा है। हमारा विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार हमारी मांगें नहीं मान लेती। पंधेर ने कहा कि यह भारतीय इतिहास का एक काला दिन है। किसानों के खिलाफ आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया... हम यहां स्पीकर लगा रहे हैं और अपना कार्यक्रम फिर से शुरू करेंगे। पंधेर ने कहा कि दिल्ली जाना किसानों की

अनख का सवाल नहीं है, उनका मनोरथ तो केवल मांगें मनवाना है। इसलिए केंद्र या तो बैठकर किसानों की मांगें पूरा कर दे या फिर उन्हें दिल्ली जाने दे। ऐसा करने की बजाय केंद्र सरकार उन पर अपनी ताकत का इस्तेमाल कर रही है। किसानों को रोकने के लिए बार्डरों पर बीएसएफ व आरपीएफ तैनात कर दी है। किसानों पर एसएलआर के फायर, प्लास्टिक व रबड़ की गोलियां दागने के साथ-साथ ड्रोन के जरिये आंसू गैस के गोले फेंकें जा रहे हैं। जिससे मंगलवार को एक ही दिन में शंभू व खन्नौरी के बार्डरों पर 60 के करीब किसान घायल हो गए। जिन्हें राजपुरा व पटियाला के अस्पतालों में दाखिल कराया गया है। इसके अलावा कुछ किसानों को गिरफ्तार भी किया है, जिनकी गिनती के बारे में अभी पक्की जानकारी नहीं है। पंधेर ने आगे कहा कि किसानों को केंद्र पहले ही बदनाम करने की तैयारी में है। मीडिया में खबरें आ रही हैं कि आंसू गैस छोड़ने के जवाब में किसानों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। किसान नेता ने कहा कि एक-दो जगह ऐसा हो सकता है, लेकिन किसानों का आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है। क्योंकि उन्हें पता है कि अगर आंदोलन शांतिमय ढंग से चलेगा, तो किसानों की जीत तय है। किसानों पर खालिस्तानी, प्रो कांग्रेस व प्रो पंजाब सरकार होने के लगाए जा रहे आरोपों का खंडन करते हुए पंधेर ने कहा कि केंद्र उनके आंदोलन को कमजोर करने के लिए किसानों की छवि को खराब कर रही है। पंधेर ने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के उस बयान की भी निंदा की, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसानों की मांगें तो बढ़ती जा रही हैं। पंधेर ने कहा कि एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का मोदी सरकार ने पिछले आंदोलन में वादा किया था, जिसे अभी तक पूरा नहीं किया है। किसानों की कोई नई मांग नहीं है। किसान की मांगों में खेतीबाड़ी को पॉल्यूशन एक्ट से बाहर लाना, किसानों व मजदूरों की कर्जा माफी और बिजली संशोधन एक्ट को वापस शामिल है। केंद्र जब तक यह मांगें नहीं मानेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उधर, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि "किसान संगठनों को ये समझना होगा कि जिस कानून की बात की जा रही है। उस कानून के बारे में इस तरीके से कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता, जिससे बाद के दिनों में सबके लिए बगैर सोची समझी स्थिति के बार में लोग आलोचना करें।

नड्डा गुजरात से होंगे राज्यसभा उम्मीदवार, कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए अशोक चव्हाण को भी मिला इनाम

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा जारी है। इन सब के बीच भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की है। इस सूची में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का भी नाम है। जेपी नड्डा गुजरात से पार्टी के राज्यसभा उम्मीदवार होंगे। गुजरात से जिन चार नाम का ऐलान किया गया है उनमें जेपी नड्डा के अलावा गोविंद भाई ढोलकिया, मयंक भाई नायक और डॉक्टर यशवंत सिंह सलाम सिंह परमार का नाम शामिल है। इसके अलावा महाराष्ट्र से भी पार्टी ने तीन राज्यसभा उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। महाराष्ट्र से हाल में ही भाजपा में शामिल हुए अशोक चव्हाण को टिकट दिया गया है। इसके अलावा मेधा कुलकर्णी और अजीत गोपछड़े का भी नाम शामिल है। अशोक चव्हाण महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे है और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और एल मुरुगन को क्रमशः ओडिशा और मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए

अपना उम्मीदवार घोषित किया। दोनों नेता अगर चुनाव जीत जाते हैं तो राज्यसभा में यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा। रेल मंत्री वैष्णव के राज्य के सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के समर्थन से चुने जाने की संभावना है, जैसा कि 2019 में पहले कार्यकाल के लिए पूर्व आईएएस अधिकारी के चुनाव के दौरान हुआ था। मध्य प्रदेश से भाजपा ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री मुरुगन के अलावा राज्य से पांच रिक्त पदों के लिए तीन और उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। पार्टी ने उमेश नाथ महाराज, माया नारोलिया और बंसीलाल गुर्जर को उम्मीदवार बनाया है। मध्य प्रदेश में संख्या बल के लिहाज से भाजपा चार सीट जबकि कांग्रेस एक सीट जीत सकती है। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की शुरूआत आठ फरवरी से हो चुकी है। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी को होगी, जबकि उम्मीदवार 20 फरवरी तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो 27 फरवरी को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन, सीएम योगी सहित मौजूद रहे वरिष्ठ पदाधिकारी

लखनऊ। यूपी में राज्यसभा के लिए होने वाले चुनाव के लिए भाजपा के सभी सात उम्मीदवारों ने बुधवार को नामांकन दाखिल कर दिया। प्रत्याशियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विधान भवन के कक्ष संख्या 48 में नामांकन दाखिल किया। सभी प्रत्याशियों ने नामांकन के दो दो सेट निर्वाचन अधिकारी ब्रजभूषण दुबे को सौंपे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी चुनाव प्रभारी बैजयन्त पांडा भी मौजूद थे। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए सुधांशु त्रिवेदी, अमरपाल मौर्य, आरपीएन सिंह, तेजवीर सिंह, नवीन जैन, साधना सिंह और संगीता बलवंत बिंद को उम्मीदवार बनाया है। कयास लगाए जा रहे थे कि समाजवादी पार्टी में चल रही खींचतान के बीच भाजपा राज्यसभा चुनाव में आठवां उम्मीदवार उतार सकती है। रालोद के एनडीए में शामिल होने के बाद भाजपा का संख्या बल अधिक हुआ है। उधर, सपा विधायक पल्लवी पटेल ने मतदान नहीं करने का एलान कर दिया है। भाजपा को भनक लगी है कि सपा के कुछ अन्य विधायक भी खिलाफत कर सकते हैं। ऐसे में भाजपा के आठवां उम्मीदवार उतारने की संभावना पर कयास लगाए जा रहे थे।

'आखिर बार-बार नई मांगों को क्यों रखा जा रहा', किसानों के प्रदर्शन पर बोले अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। किसानों का दिल्ली कूच रोकने के लिए केंद्र सरकार और किसान नेताओं के बीच चली मैराथन बैठक में फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी पर बात अटक गई। दिल्ली से सटी सभी सीमाओं को सील कर दिया गया है। किसानों के विरोध पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि नई मांगों को सामने रखा गया है, जिन पर चर्चा करने लिए राज्यों को समय चाहिए। इसलिए किसान नेताओं से अनुरोध है कि वे आएं और चर्चा करें।

पिछले 10 वर्षों में कई कदम उठाए- अनुराग ठाकुर ने कहा, 'मैं कहना चाहूंगा कि मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित करने और किसानों के कल्याण के लिए पिछले 10 वर्षों में कई कदम उठाए हैं। जब उन्होंने अपनी मांगें रखीं, तो सरकार ने अपने वरिष्ठ नेताओं को भेजा और बातचीत जारी रखी। कल चंडीगढ़ में बैठक

हुई। इस दौरान किसान नेता उठकर चले गए, जबकि हम लोग कहते रह गए कि चर्चा कर लीजिए।' उन्होंने कहा, 'आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नई मांगें रखी जा रही हैं? यदि नई मांगें रखी जा रही हैं तो और समय की आवश्यकता है। राज्यों को चर्चा करने के लिए समय चाहिए। हम चर्चा जारी रखने के लिए तैयार हैं।'

हिंसा में शामिल न हों- केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'उनकी अधिकांश मांगों को स्वीकार कर लिया गया है लेकिन नई मांगों पर चर्चा करने के लिए और समय की आवश्यकता है। मैं आंदोलनकारियों से गुजारिश करता हूं कि वे तोड़फोड़, आगजनी या हिंसा में शामिल न हों। मैं किसान नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे आएं और चर्चा करें।' बता दें, किसान आज फिर दिल्ली की ओर बढ़ना जारी रखेंगे। इस बीच किसानों को दिल्ली तक पहुंचने से रोकने के लिए पुलिस ने दीवारों की जो बाधाएं खड़ी की हैं उनमें कंक्रीट का मसाला भरकर उन्हे और मजबूत किया जा रहा है।

'लोगों की जिंदगी में सरकार का दखल कम से कम हो...'वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में बोले मोदी

अबू धाबी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि मेरा मानना है कि आज विश्व को ऐसी सरकारों की जरूरत है जो सबको साथ लेकर चले। वह दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में बोल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'दुबई जिस तरह से वैश्विक अर्थव्यवस्था, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बन रहा है, वह बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने कहा कि आज हम 21वीं सदी में हैं। एक तरफ दुनिया आधुनिकता की तरफ बढ़ रही है तो पिछली सदी से चले आ रहीं चुनौतियां भी उतनी ही व्यापक हो रही हैं। खाने की सुरक्षा हो, स्वास्थ्य सुरक्षा हो, पानी की सुरक्षा हो, ऊर्जा की सुरक्षा हो चाहें शिक्षा हो। हर सरकार अपने नागरिकों के प्रति अनेक दायित्वों से बंधी हुई है। आज हर सरकार के सामने सवाल है कि वो किस अप्रोच के साथ आगे बढ़े। मेरा मानना है कि आज विश्व को ऐसी सरकारों की जरूरत है जो सबको साथ लेकर चले। पीएम ने कहा, 'मैं मानता हूं कि सरकार का अभाव भी नहीं होना चाहिए और सरकार का दबाव भी नहीं होना चाहिए। बल्कि मैं तो ये मानता हूं कि लोगों की जिंदगी में सरकार का दखल कम से कम हो, ये सुनिश्चित करना भी सरकार का काम है। इन 23 वर्षों में सरकार में मेरा सबसे बड़ा सिद्धांत रहा है-'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस'। मैंने हमेशा एक ऐसा वातावरण बनाने पर जोर दिया है जिसमें नागरिकों में उद्यम और ऊर्जा की भावना विकसित हो।' उन्होंने आगे कहा, 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र पर चलते हुए हम सैचुरेशन की अप्रोच पर बल दे रहे हैं। सैचुरेशन की अप्रोच, यानी सरकार की योजनाओं के लाभ से कोई भी लाभार्थी छूटे नहीं, सरकार खुद उस तक पहुंचे। गवर्नेंस के इस मॉडल में भेदभाव और भ्रष्टाचार दोनों की ही गुंजाइश समाप्त हो जाती है।' उन्होंने कहा, 'हमने गवर्नेंस में जन-भावनाओं को प्राथमिकता दी है। हम देशवासियों की जरूरत के प्रति संवेदनशील हैं। हमने लोगों की जरूरतों और लोगों के सपनों को पूरा करने पर ध्यान दिया है।

'शहीदों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा', पुलवामा हमले की 5वीं बरसी पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी जवानों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को हुए आतंकी हमले को आज पांच साल पूरे हो गए हैं। उस हमले में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी आदिल अहमद डार ने 350 किलो विस्फोटक से भरी एसयूवी बस से भिड़ा दी थी। इस हमले में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के 40 जवान शहीद हो गए थे। आज पुलवामा आतंकी हमले की 5वीं बरसी है। लेकिन आज भी इस हादसे की कहानी सुनकर भारतीय लोगों की रूह कांप जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पुलवामा हमले में शहीद होने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, "मैं पुलवामा में शहीद हुए वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारे राष्ट्र के लिए उनकी सेवा और

बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।" आतंकवादियों की इस कायराना हरकत से हर भारतीय की आंखे नम हो गई थीं और इस हमले ने पूरे देश को अंदर से हिलाकर रख दिया था, लेकिन इसका बदला भारतीय सेना पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर लिया। इस हमले को पुलवामा अटैक के नाम से भी जाना जाता है। सीआरपीएफ के काफिले में करीब 60 से ज्यादा वाहन शामिल थे और इनमें 2 हजार 547 जवान मौजूद थे। 14 फरवरी 2019 के दिन जब सीआरपीएफ का काफिला जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवंतीपोरा में गोरीपोरा के पास पहुंचा तो जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने पुलवामा जिले में विस्फोटक से भरी कार ने सीआरपीएफ जवानों की बस से भिड़ाकर निशाना बनाया था। इस कारण जोरदार धमाके में 40 जवान शहीद हो गए थे। धमाका इतना तेज था कि बस के भी चिथड़े उड़ गए। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी।

भारत ने लिया जवानों की शहादत का बदला- पुलवामा हमले के बाद भारतीय सेना और भारत सरकार ने मिलकर आतंकियों को ललकारते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मैं अपने दिल में वही आग महसूस करता हूं, जो आपके अंदर भड़क रही है। पीएम ने यह भी कहा था कि सभी के आंसुओं का बदला लिया जाएगा और इसके बाद भारत ने जवानों की शहादत का बदला 12 दिनों के अंदर पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकाने पर एयरस्ट्राइक कर लिया।

पाकिस्तान में गठबंधन सरकार बनने की संभावना अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की अगुवाई में प्रमुख राजनीतिक दलों के गठबंधन के अगली सरकार बनाने के लिए आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार करने की संभावना के साथ उनका देश का नया प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। इसके साथ ही चुनाव में मिले खंडित जनादेश के बाद सरकार के भविष्य को लेकर लगायी जा रही अटकलें खत्म हो जाएंगी। एक आश्चर्यजनक कदम में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने मंगलवार रात पार्टी सुप्रीमो और तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बजाय शहबाज को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया।शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के आसिफ अली जरदारी, मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के खालिद मकबूल सिद्दीकी ने मंगलवार रात को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कैद (पीएमएल-क्यू) के शुजात हुसैन के आवास पर मुलाकात की और सरकार गठन पर सहमति जतायी। शरीफ ने बैठक में उपस्थित अन्य नेताओं का आभार जताते हुए कहा, आज हम देश को यह बताने के लिए एकजुट हुए हैं कि हमने खंडित जनादेश स्वीकार कर लिया है। मैं जरदारी और बिलावल (भुट्टो) का आभारी हूं कि उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का समर्थन करने का फैसला किया है। पीएमएल-एन की सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ ने देश के प्रधानमंत्री पद के लिए पार्टी अध्यक्ष और अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ (72) को नामांकित किया है। उन्होंने बताया कि पीएमएल-एन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने कहा, नवाज शरीफ ने उन राजनीतिक दलों का आभार जताया है जिन्होंने आगामी सरकार बनाने में पीएमएल-एन का समर्थन किया है और उन्होंने उम्मीद जतायी कि ऐसे फैसलों से पाकिस्तान संकट से बाहर आ जाएगा।

संपादकीय

सड़क पर किसान

यदि राजनीति और अन्य दुराग्रहों को नजरअंदाज कर दें तो देश के लिये अन्न उगाने वाले किसानों का अपनी मांगों के लिये सड़क पर आना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जायेगा। भले ही 2020-21 में हुए लंबे किसान आंदोलन के दौरान होने वाली हिंसक घटनाओं और लाल किले प्रकरण के मद्देनजर केंद्र व हरियाणा सरकार सख्ती दिखा रही हो, लेकिन फिर किसानों के लिये मार्ग में भारी-भरकम अवरोध लगाने और कीलें बिछाने की कार्रवाई को अच्छा नहीं कहा जा सकता है। निस्संदेह,प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था का प्रश्न होता है और ऐसे आंदोलन के दौरान अराजक तत्वों की दखल का अंदेशा बना रहता है। आम नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर ऐसे उपाय जरूरी हो सकते हैं मगर सवाल यह है कि ऐसी स्थिति आती ही क्यों है? समय रहते किसानों के जायज मुद्दों पर संवेदनशील पहल क्यों नहीं होती। तीन कृषि कानूनों के विरोध में लंबे चले आंदोलन के बाद हुए समझौते से जुड़े मुद्दों पर अमल के लिये केंद्र सरकार के पास पर्याप्त समय था। बेहतर होता कि कुछ मांगों को पूरा करने पर पहल होती। वैसे सरकार की दलील रही है कि इतने बड़े देश में हर फसल को एमएसपी के दायरे में लाना व्यावहारिक न होगा और उसका अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ेगा। लेकिन इसके बावजूद हम स्वीकारें कि आज खेती घाटे का सौदा बन गई है। किसानों की आत्महत्या को इससे जोड़कर देखा जाना चाहिए। नई पीढ़ी अब खेती से कतराने लगी है। निस्संदेह, भारतीय खेती का स्वरूप विशुद्ध व्यावसायिक नहीं रहा है, लेकिन हमें याद रहे कि देश की करीब आधी आबादी प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर खेती व उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। अतः खेती को लाभकारी बनाने की जरूरत है। कोई बीच का रास्ता किसान असंतोष को दूर करने के लिये उठाया जा सकता है। दरअसल, किसान आंदोलनकारी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने , खेतिहर मजदूरों के लिये पेंशन, कृषि ऋण माफी, डब्ल्यूटीए से हटने, किसानों पर दर्ज मुकदमें वापस लेने, लखीमपुर खीरी कांड के पीड़ितों को आर्थिक मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। विडंबना है कि आंदोलन की शुरूआत से पहले किसानों से केंद्रीय मंत्रियों की मैराथन वार्ता बेनतीजा रही। जिसके बाद किसान नेताओं ने दिल्ली कूच करने के फैसले को अंतिम रूप दिया। दरअसल, किसान भी जानते हैं कि देश में जब आम चुनाव सिर पर हैं तो केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिये कानून बनाने का उनका सबल आग्रह है। निस्संदेह, किसी भी संगठन को आंदोलन करने का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन प्रयास होना चाहिए कि आंदोलन हिंसक रूप न ले और आंदोलन योजनाबद्ध ढंग से तार्किक परिणति तक पहुंचे। किसानों के मुद्दे अपनी जगह हैं लेकिन किसानों को रोकने के लिये सरकारों द्वारा की गई व्यूह रचना से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा के कई जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद पड़ी हैं। शासन-प्रशासन ने यात्रियों के लिये जो वैकल्पिक मार्ग तय किये हैं, यात्री उनमें भटक रहे हैं। दिल्ली की नाकेबंदी के चलते भयंकर जाम की स्थिति बन गई है और लोग तीन-चार घंटे तक जाम में फंसे रहे हैं। कई स्थानों पर किसानों को लेकर लोग आक्रोश व्यक्त करते रहे। परिवहन व्यवस्था सुधारने के बाबत सुप्रीम कोर्ट की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। निस्संदेह, किसानों को अपनी जायज मांगें रखनी चाहिए, वहीं सरकार को भी किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार दिखाना चाहिए। आंदोलन पर राजनीतिक दलों की टिप्पणियों के बाद देश के शेष जनमानस में यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि आंदोलन के मूल में राजनीतिक निहितार्थ हैं।

साख की लड़ाई!

भर रहे सब पर्चे ।
साख की लड़ाई ।।
उम्मीदवार बन गए ।
करनी है चढ़ाई ।।
बन रही रणनीति ।
लेना उनको घेर ।।
भले अंधेरा आज है ।
होगी जल्द सबेर ।।
करना है प्रहार ।
काटनी मलाई ।।
सोच रहे हैं थोड़ा सा ।
कर दें भी भलाई ।।
है गद्दी की माया ।
चल रहा सब खेल ।।
उभरेंगे जरुर ।
भले आज नकेल ।।
है भविष्य के गर्भ ।
कब आएगी बारी ।।
हो हल्ला बना रहे ।
इसलिए तैयारी ।।

–कृष्णेन्द्र राय

नरेंद्र मोदी की राज 'नीति' और कूटनीति हमेशा जीत की गारंटी होती है

ललित गर्ग

2024 के आम चुनावों का रण सज चुका है, कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने भी कमर कस ली है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर बैठकों, मुलाकातों एवं चुनावी गणित को फीट करने का दौर चल रहा है, एक तरफ भाजपा 2 हफ्ते बाद उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करने की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन मकर संक्रांति के बाद सीट शेयरिंग का फॉर्मूला फाइनल करने वाला है, लेकिन भाजपा ने स्वयं 370 एवं उसके गठबंधन का 400 का लक्ष्य लेकर ही चल रही है। हाल ही में एक मीडिया हाउस के सर्वे के अनुसार भाजपा को भले ही 2019 की तुलना में केवल एक सीट का फायदा हो रहा है, भले नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय है लेकिन उनके गठबंधन को करीब 17 सीटों का नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है। हो सकता है अन्य माध्यमों से भी ऐसी ही सूचनाएं भाजपा को मिल रही हो, इसलिये उसने 400 के लक्ष्य को हासिल करने का ठाना है। भाजपा एवं मोदी की चुनावी रणनीतियों एवं विश्वास से ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर धमाकेदार जीत दर्ज कर अपनी हैट्रिक पूरी करेगी। इस जीत के बाद भारत में बड़े बदलाव एवं क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। राजनीति, प्रशासनिक, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में आमूल-चूल परिवर्तन हो तो कोई आश्चर्य नहीं है।

नरेन्द्र मोदी, उनके राजनीतिक सलाहकार एवं भाजपा सम्भवतः इस मोड पर पहुंच गए हैं कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें जितने तरह का रणनीतिक प्रबंधन करने जरूरी थे, वे सफलतापूर्वक किये जा चुके हैं या जल्द ही कामयाबी से कर लिये जाऐंगे। जितनी कमजोर कड़ियां थीं, उनकी मरम्मत कर ली गई है। जिन राज्यों में खराब दृश्य दिख रहे हैं, वहां भाजपा पूरी ताकत से लगी है। भाजपा ने 164 ऐसी सीटों की दो कैटेगरी तैयार कर ली है जहां 45 मंत्रियों को जी-जान से जुटने को कहा गया है, भाजपा कमजोर सीटों पर सबसे ज्यादा जोर लगा रही है क्योंकि 2019 के चुनाव में भाजपा की 48 ऐसी सीटें थीं जहां जीत का अंतर 2 प्रतिशत से भी कम था, इन सीटों पर विपक्षी गठबंधन अगर एक उम्मीदवार उतार देता है तो भाजपा के लिए बड़ी चुनौती हो सकती है। ऐसी ही खतरे वाली सीटों के लिये भाजपा की तीक्ष्ण एवं प्रभावी रणनीतियां बन रही है। ऐसी ही रणनीतियां से समूचे राष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्यों को बदलने एवं अपने पक्ष में करने के लिये भाजपा जुटी है। इसके लिये प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़े बड़े फैसले लिये जा रहे हैं। नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल कर-के राज्यसभा में भेजा जा रहा है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को ह्यभारत रत्नह्ल सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाया गया है।

जब इतना बढ़िया, कौशलपूर्ण और प्रभावी राजनीतिक प्रबंधन हो चुका हो तो चार सौ का लक्ष्य हासिल करना भाजपा के लिये असंभव प्रतीत नहीं होता। वैसे प्रधानमंत्री के रूप में देश की जनता नरेन्द्र मोदी को ही सर्वाधिक पसन्द कर रही है, एक अनुशासित एवं राष्ट्रीय मूल्यों से प्रेरित पार्टी के रूप में भाजपा कायम है। मोदी का राजनीतिक कौशल ही है कि आम तौर से सरकारें चुनाव से पहले अपना खजाना खोलती हैं, लेकिन मोदी बिना खजाना खोले एवं लोकलुभावना घोषणाओं के चुनावी वैतरणी को सफलतापूर्वक पार करने की रणनीति बना रही है। मोदी जानते हैं कि लोकलुभावन योजनाएं या लाभार्थियों का संसार अपने आप वोटों में नहीं बदलता। उसके तीन स्तरों पर काम करना होता है। राज्यों के स्तर पर जहां अपनी स्थिति लगातार मजबूत करना जरूरी होता है, नेताओं के स्तर पर जो विभिन्न समुदायों की नुमाइंदगी करते हैं और समुदायों के स्तर पर जिन्हें लगातार पार्टी के साथ जोड़ने का अभियान चलाना पड़ता है। एक और स्तर इस बार के चुनावी गणित को प्रभावित करती हुई प्रतीत हो रही है, वह है मोदी का राजनीतिक कौशल एवं देश-विकास का उनका संकल्प। निश्चित ही मोदी भारतीय राजनीति में विश्वास और विकास के नायक हैं तो वैश्विक पटल पर महानायक बनकर देश और दुनिया को दिशा दिखा रहे हैं। कतर की जेल में बंद आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों की रिहाई और उनमें से सात का स्वदेश आ जाना एक ऐसी शुभ सूचना है, जिससे पूरे देश ने चैन की सांस ली है। इन भारतीयों की सकुशल रिहाई भारत की एक शानदार कूटनीतिक जीत है। यदि इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया जा रहा है तो स्वाभाविक ही है, क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले दुबई में कतर के शासक से मुलाकात की थी। मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है। यही कारण है कि उनकी छत्रछाया में भारत में राष्ट्रवाद का रंग गहरा हुआ है और भारत विश्वगुरु बनने की राह पर चल पड़ा है।

आगामी लोकसभा चुनाव विशेष होंगे। इन चुनावों में विपक्षी दल कुछ अनूठा एवं विशेष कर पायेंगे, ऐसी संभावनाएं हर दिन कमजोर ही होती जा रही है। राहुल गांधी की यात्रा भी कोई प्रभाव स्थापित नहीं कर पा रही है, बल्कि कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन से विभिन्न दल दूरी बना रहे हैं। यह चुनाव पहले ही उनकी असफलता की घोषणा है। इधर मोदी के प्रति लोगों का आकर्षण कायम है। इसका बड़ा कारण मोदी की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय छवि कायम रहना है। मोदी ने अनेक चमत्कार घटित किये हैं, जिसका अहसास देश की जनता को है। यूक्रेन युद्ध के समय वहां फंसे भारतीयों को वापस लाना हो या कोरोना के दौरान दुनिया भर में टीका भेजना, ये सभी नरेंद्र मोदी की वैश्विक सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें है। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि प्रधानमंत्री के कार्यकाल की अनेक सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जिनमें चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर किया जा रहा है।

नवाज शरीफ और बुलावल भुट्टो ने खोज लिया सत्ता साझेदारी का फॉर्मूला, मगर अब भी अड़चन बनकर खड़े हैं इमरान खान

पाकिस्तान में सरकार बनाने के लिए चल रही उठापटक में नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो ने बीच का रास्ता निकाल लिया है लेकिन उस रास्ते में इमरान खान अब भी बड़ी अड़चन बनकर खड़े हैं। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता लतीफ खोसा ने गठबंधन सरकार के गठन के लिए प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों में वार्ता के बीच कहा है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बिना कोई लोकतंत्र स्थापित नहीं हो सकता और पाकिस्तान में कोई सरकार नहीं बन सकती। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच सत्ता बंटवारे के फॉर्मूले पर बातचीत किए जाने की खबरों पर हैरानी जताते हुए लतीफ खोसा ने इसे मजाक करार दिया कि विरोधी राजनीति दल इस तरह का प्रस्ताव रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर से नेता बने और पीटीआई संस्थापक इमरान खान (71) को वापस लाना होगा। उन्होंने कहा, वे कौन होते हैं- जिन्हें जनता ने नकार दिया है -आपस में बांटने वाले...कोई भी असेंबली या संसद इमरान खान के बिना नहीं चल सकती। इमरान खान के बिना कोई लोकतंत्र स्थापित नहीं हो सकता और कोई सरकार नहीं बन सकती। डॉन अखबार ने खोसा के हवाले से कहा, इसलिए इस गलतफहमी को दूर कर लीजिए कि इमरान के बिना वे कोई लोकतंत्र या सरकार चला पाएंगे। आपको इमरान खान को वापस लाना ही पड़ेगा।" उन्होंने कहा, चुनाव में सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनकर उभरने वाली पार्टी को सरकार गठन का अधिकार दिया जाता है। और चूंकि हमारी सबसे बड़ी पार्टी है तो वह प्रधानमंत्री बनेंगे। और कोई भी उन्हें रोक नहीं सकता है।" हम आपको यह भी बता दें कि इमरान खान की पार्टी ने केंद्र तथा पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में सरकार बनाने की रणनीति तैयार करने के लिए विशेष समितियां बनायी हैं। समितियों द्वारा प्रस्तावित सिफारिशों और रणनीतियों के अनुसार, पार्टी की कोर समिति की बैठक में भाग लेने वाले सदस्यों ने सरकार और संसद के महत्वपूर्ण पदों पर नामांकन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने पर सहमति जतायी। दूसरी ओर, बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) में गठबंधन सरकार में शामिल होने और विपक्ष में बैठने के मुद्दे पर अलग-अलग राय है।

दरअसल, पाकिस्तान में हाल में संपन्न संसदीय चुनाव में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी पीपीपी की केंद्रीय कार्यकारी समिति (सीईसी) ने चुनाव के बाद के परिदृश्य और गठबंधन के प्रस्तावों पर विचार-विमर्श करने के लिए इस्लामाबाद में बैठक की। इस बैठक में तय किया गया इमरान खान की पीटीआई समर्थित निर्दलीयों सहित सभी राजनीतिक दलों से, सत्ता साझा करने के संभावित समझौते के लिए संपर्क किया जाएगा। बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीनेटर शेरी रहमान ने कहा, "पीपीपी सभी (राजनीतिक) पार्टियों से संपर्क करेगी और एक समिति का गठन किया जाएगा।" बताया जा रहा है कि बिलावल की पार्टी के नेता इस बात पर अंतिम निर्णय पर पहुंचने में विफल रहे कि पीपीपी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के साथ गठबंधन सरकार बनाए या पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के टिकट पर निर्वाचित निर्दलीय विधायकों के साथ विपक्ष में बैठे। एक सूत्र ने कहा, "पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) आसिफ जरदारी पर सत्ता-साझाकरण पर सहमत होने के लिए दबाव डाल रही है, जहां प्रधानमंत्री पद साझा करने पर भी चर्चा हुई है।" उनके अनुसार, यह बातचीत चल रही है कि आधे कार्यकाल तक शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बने रहें और फिर शेष कार्यकाल में बिलावल भुट्टो यह जिम्मेदारी संभालें। सूत्र ने पुष्टि की कि विदेश मंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री और पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब के मुख्यमंत्री जैसे प्रमुख पदों के लिए किन लोगों को नामित किया जाएगा, इस पर अभी भी मतभेद है। दूसरी ओर पीएमएल-एन के सूत्रों ने कहा, प्रस्ताव रखा गया है कि पीएमएल-एन का एक उम्मीदवार तीन साल के लिए प्रधानमंत्री रहेगा और पीपीपी का नेता दो साल इस पद पर रहेगा। उन्होंने कहा कि पहला कार्यकाल किसे मिलेगा, यह अभी तय नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई है जिसमें पीपीपी के संसदीय अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी, पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी और पीएमएल-एन से पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शामिल हुए। इसी बैठक में सत्ता साझेदारी का फॉर्मूला तैयार हुआ। हम आपको बता दें कि पीएमएल-एन और नेशनल पार्टी ने 2013 में बलूचिस्तान में सत्ता साझेदारी के इसी फॉर्मूले को अपनाया था। सूत्रों ने कहा कि लाहौर में बिलावल के आवास पर रविवार को हुई बैठक में दोनों पक्षों ने आम चुनाव के बाद देश की राजनीतिक स्थिरता के लिए सहयोग के सिद्धांत पर सहमति जताई। पीपीपी के एक नेता ने कहा कि पार्टी इस मांग से पीछे नहीं हट रही कि बिलावल भुट्टो जरदारी को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। इस बीच, पाकिस्तान में एक नई मुश्किल यह खड़ी हो गयी है कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी शायद देश के नए प्रधानमंत्री को शपथ नहीं दिला पाएंगे क्योंकि उनके उत्तराधिकारी का चुनाव अगली संघीय सरकार के गठन से पहले हो जाएगा। एक खबर में यह दावा किया गया। द न्यूज इंटरनेशनल ने खबर प्रकाशित की कि नव निर्वाचित नेशनल असेंबली के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह सदन का उद्घाटन सत्र बुलाने की समय सीमा से तीन दिन पहले 26 फरवरी को हो सकता है। बताया जा रहा है कि सीनेट के 53 सदस्यों, अध्यक्ष/उपसभापति का चुनाव और इसके परिणामस्वरूप देश के राष्ट्रपति का चुनाव 8 मार्च से पहले होना है। सूत्रों ने कहा कि यदि राष्ट्रपति का चुनाव एक सप्ताह पहले कराया जाए तो अल्वी के बजाय नये राष्ट्रपति नव निर्वाचित प्रधानमंत्री को शपथ दिला सकते हैं।

एमएसपी गारंटी कानून की माँग आखिर कैसे किसान और देश के हित में नहीं है?

नीरज कुमार दुबे

फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी की गारंटी देने वाला कानून बनाने की मांग को लेकर किसान एक बार फिर दिल्ली की ओर बढ़ रहे हैं। दिल्ली की ओर बढ़ने के सफर में यह आंदोलनकारी जिस तरह अवरोधकों को तोड़ रहे हैं और उत्पात मचा रहे हैं उससे साफ प्रदर्शित हो रहा है कि ये आंदोलनकारी लोग किसान हैं ही नहीं। क्योंकि किसान कभी उपद्रव नहीं मचाता, किसान कभी पुलिस पर पत्थर नहीं मारता, किसान कभी बंदूक नहीं लहराता, किसान कभी लाठियां नहीं भांजता। जिस तरह से ये आंदोलनकारी पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं वह यह भी प्रदर्शित कर रहा है कि ऐन लोकसभा चुनावों के पहले यह आंदोलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार सत्ता में पहुँचने से रोकने के लिए ही खड़ा किया जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि हाल ही में भारत ने आरोप लगाया था कि कनाडा हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। इसलिए प्रश्न उठता है कि कहीं कनाडा में सरकारी प्रोत्साहन पा रहे खालिस्तानी तत्वों द्वारा तो इस आंदोलन को हवा नहीं दी जा रही है? हम आपको बता दें कि किसानों का पिछला आंदोलन जहां मोदी सरकार के तीन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए था वहीं यह नया आंदोलन मोदी सरकार से एमएसपी गारंटी कानून बनवाने के लिए खड़ा किया जा रहा है। यहां सवाल उठता है कि यदि सरकार से कानून बनवाना था तो संसद सत्र के चलते समय क्यों नहीं सरकार से बात की गयी? अब जब 17वीं लोकसभा का कार्यकाल लगभग समाप्त हो चुका है तो सरकार कहां से कानून बना देगी? यहां सवाल यह भी उठता है कि क्या एमएसपी कानून बना देने से ही किसानों की सभी समस्याएं खत्म हो जाएंगी? अभी सरकार लगभग 22 फसलों का एमएसपी देती है। सवाल उठता है कि क्या यह सभी 22 फसलें किसान एमएसपी पर ही बेचते हैं? कई बार ऐसा होता होगा कि कई फसलें एमएसपी से भी कम या एमएसपी से ज्यादा दर पर बेची जाती होंगी। दरअसल फसलों के दाम बहुत हद तक हालात पर निर्भर करते हैं इसलिए एमएसपी घोषित होने के बावजूद उससे कम या ज्यादा दाम पर फसलें बेची जाती रही हैं। एमएसपी की मांग पर अड़े किसानों को यह भी देखना चाहिए कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में उनके लिए क्या किया है। कोरोना महामारी आई, कई देशों के युद्ध और संघर्ष के चलते वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई लेकिन देश में यूरिया के दाम नियंत्रण में रहे और किसानों की जेब पर बोझ नहीं पड़ने दिया गया। मोदी सरकार ने मिलेट्स को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने का अतिरिक्त प्रबंध भी किया। किसानों को समझना होगा कि एमएसपी से उनका वास्तविक भला नहीं होगा। उनका भला तब होगा जब उनकी कृषि लागत कम होगी और उनकी उपज बिना किसी बिचौलिये के मंडियों तक पहुँचेगी। किसानों का वास्तविक भला तब होगा जब वह स्टार्टअप के इस युग में अपने कृषि उत्पादों की मार्केटिंग करने का प्रयास करेंगे। किसानों को इस सबमें मदद के लिए सरकार पर दबाव बनाना चाहिए ना कि सभी फसलों के लिए एमएसपी गारंटी कानून जैसी अव्यवहारिक मांग करनी चाहिए। बहरहाल, किसानों को यह बात भी समझनी होगी कि सरकार यदि एमएसपी गारंटी कानून लाई तो हर साल उस पर 10 लाख करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह बोझ कितना बड़ा है इसे आसान शब्दों में समझाएं तो आपको बता दें कि यह लगभग उस व्यय (11.11 लाख करोड़ रुपये) के बराबर है जो सरकार ने हाल के अंतरिम बजट में बुनियादी ढांचे के लिए अलग से रखा है। सवाल यह भी है कि यह 10 लाख करोड़ रुपया कहां से आएगा? क्या सरकार बुनियादी ढांचे पर हो रहे खर्च में कटौती करे या रक्षा खर्च में कटौती करे या चिकित्सा अथवा शिक्षा क्षेत्र में हो रहे खर्च में कटौती करे या जनता पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नये टैक्स लगाये? इसमें कोई दो राय नहीं कि वैश्विक महामारी से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई, हर क्षेत्र पर महामारी का विपरीत असर पड़ा लेकिन अन्नदाता की बदौलत भारत बहुत जल्दी इस हालात से उबरने में सक्षम रहा। लेकिन अन्नदाता की जिम्मेदारी अभी खत्म नहीं हुई है, उसे यह सुनिश्चित करने के लिए देश के साथ खड़े रहना चाहिए कि देश का खर्च अनावश्यक रूप से बढ़ाने या देश को वित्तीय आपदा में धकेलने के प्रयासों को विफल किया जाये। देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर बनाये रखने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी है।

खराब मौसम व बारिश के बीच देर रात काशी में विकास कार्य देखने निकले सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया विकास परियोजनाओं का निरीक्षण, मुख्यमंत्री ने सिगरा स्टेडियम में बन रहे विश्व स्तरीय स्टेडियम का किया निरीक्षण, देश का पहला व दुनिया की तीसरा अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप वे परियोजना का भी लिया जायजा

संजय पांडेय

प्रखर वाराणसी। खराब मौसम व बारिश के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार की देर रात काशी में विकास कार्यों का निरीक्षण किया। देश के पहले व दुनिया के तीसरे अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप वे परियोजना का स्थलीय निरीक्षण करने सीएम योगी आदित्यनाथ विद्यापीठ पहुंचे। भारत माता मंदिर परिसर में रोप वे के लिए स्टेशन का निर्माण चल रहा है। मुख्यमंत्री ने नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के सीईओ प्रकाश गौर से रोपवे प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिगरा स्थित डॉक्टर संपूर्णानंद क्रीडा स्टेडियम में हो रहे विश्व स्तरीय स्टेडियम के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने कराये जा रहे कार्यों एवं उसके प्रगति के संबंध में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यों में तेजी लाने एवं कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों को पूरी तरह अपनाते हुए कार्य को कराए जाने पर विशेष जोर दिया। 807 करोड़ की है रोपवे योजना रोप वे योजना के तहत वाराणसी कैंट स्टेशन से शुरू होकर गोदौलिया चौराहे तक कुल पांच स्टेशन होंगे। जिसमें कैंट रेलवे स्टेशन, काशी विद्यापीठ, रथयात्रा, गिरजाघर और गोदौलिया चौराहे पर स्टेशन बनाया जाएगा। रोपवे की कुल दूरी 3.85 किलोमीटर है। यह दूरी करीब 16 मिनट में तय होगी। इसमें 150 केबल कार या ट्रॉली होगी। इस योजना की लागत 807 करोड़ रुपये है।

स्वास्थ्य विभाग व महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कॉलेज के तत्वावधान में आयोजित हुई टीवी पर कार्यशाला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग और महर्षि विश्वामित्र स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में सतत चिकित्सा शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल एवं मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो डॉ आनंद मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में अधिकारियों के द्वारा टीबी के कारण, लक्षण, स्क्रीनिंग, निदान, नोटिफिकेशन एवं सम्पूर्ण उपचार के साथ जागरूकता पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी वक्ताओं ने एकमत से कहा कि टीबी को लेकर चिकित्सकों में जिज्ञासा बढ़ाना जरूरी है। प्राचार्य प्रो डॉ आनंद मिश्रा ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर सतत चिकित्सा शिक्षा के माध्यम से चिकित्सकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना था, जिससे टीबी रोगियों व जनमानस को बेहतर सेवाएं मिल सकें। साथ ही चिकित्सक सहित अन्य पेशेवरों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहन मिल सके। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में टीबी के उपचार में सहायक नई दवाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। कॉलेज के हर विभाग से टीबी मरीजों को नोटिफाई करने का निर्देश दिया गया। साथ ही मेडिकल कॉलेज में मौजूद सीबी नाट व टू नाट जांच को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। कल्चर जांच पर भी जानकारी दी गई। कॉलेज के चिकित्सकों के सवालों की जिज्ञासा का समाधान भी किया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक क्षय मुक्त भारत को लेकर देश के प्रधानमंत्री का विजन तभी पूरा हो सकता है जब ज्यादा से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग हो और किसी भी टीबी रोगी का नोटिफिकेशन न छूटे। डब्ल्यूएचओ के जोनल ऑफिसर डॉ वीजी विनोद ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से टीबी के निदान, उपचार, नई दवाओं आदि के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि टीबी के सम्पूर्ण उपचार के लिए प्रतिदिन दवा खाना बेहद जरूरी है। सभी दवाएं पूर्ण रूप से सुरक्षित और बेहद फायदेमंद हैं। कई दवाएं बहुत महंगी हैं लेकिन सरकार की ओर से दी जा रही हैं जिसका टीबी रोगियों को लाभ उठाना चाहिए। एनटीईपी के जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ मिथलेश कुमार ने कहा कि टीबी रोगी सम्पूर्ण उपचार के दौरान एक भी दिन दवा खाना न छोड़ने के लिए प्रेरित करें। टीबी के सम्पूर्ण उपचार के लिए उसका कोर्स का पूरा होना बहुत जरूरी है। कई टीबी रोगी बीच में ही इलाज छोड़ देते हैं या फिर बदल-बदल कर इलाज करते हैं जिससे उनकी स्थिति बिगड़ जाती और कई बार बीमारी बहुत गंभीर स्थिति में पहुँच जाती है। ऐसे में मरीजों का सरकार द्वारा निर्देशित दवाओं से उपचार करने पर जोर दिया जाना चाहिए। साथ ही एचआईवी, डायबिटीज मरीजों की टीबी की नियमित जांच की जाए। बैठक में सह आचार्या डॉ भानु प्रताप पाण्डेय, डॉ चंद्रमौली मिश्रा, डॉ धनंजय, पीपीएम समन्वयक अनुराग पाण्डेय, एसटीएस सुनील कुमार वर्मा, एसटीएलएस वैंकटेश्वर प्रसाद शर्मा, कमलेश कुमार, संजय सिंह यादव, समस्त प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, सीनियर व जूनियर रिसर्च फैलोशिप, सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पुलिस-व्यापारी संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रखर वाराणसी- आगामी त्यौहार एवं चुनाव के दृष्टिगत पुलिस व्यापारी संगोष्ठी का आयोजन चोलापुर थाना क्षेत्र के दानगंज बाजार स्थित स्थानीय सभागार में मंगलवार को हुआ। मौके पर दानगंज बाजार के व्यापारियों समेत कई गांव के ग्राम प्रधान से प्रभारी निरीक्षक चोलापुर अतुल कुमार सिंह व चौकी प्रभारी दानगंज अभिनव श्रीवास्तव की आगामी चुनाव संबंधित सतर्कता हेतु सीसीटीवी कैमरा, त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने हेतु समुचित व्यापारिक सहयोग, चोरी रोकने के प्रयास, आनलाईन जालसाजी संबंधित अपराध आदि मुद्दों पर चर्चा हुई। मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष रमेश डगलस, रामनगीना सेठ, अजीत सिंह नन्हकू, अवधेश सेठ, शिवकुमार जायसवाल, अजय बरनवाल, अक्कू गुप्ता, संतोष जायसवाल, अमित सिंह वत्स, देशनाथ सिंह, गिरीश यादव समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

भाजपा मिलन समारोह में सैकड़ों ने ली पार्टी की प्राथमिक सदस्यता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी जखनिया विधानसभा - 373 का भाजपा मिलन समारोह कार्यक्रम जखनिया ग्राम पंचायत भवन पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा की नीतियों व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों से प्रभावित होकर सैकड़ो लोग जो विभिन्न दलों में कार्य करते थे उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता आज ग्रहण किया। उनको पार्टी की प्राथमिक सदस्यता व पार्टी की पटिका पहनाकर कर स्वागत किया गया। उक्त अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेंद्र राय ने कहा भारतीय जनता पार्टी देश समाज राष्ट्र के लिए कार्य करती है पार्टी के कार्यकताओं के लिए राष्ट्र फर्स्ट, पार्टी सेकंड, परिवार लास्ट रहता है। भाजपा जन संघ के जमाने से लोगों का विश्वास कायम रहे उस नीति पर काम करती है, जो कहती है वह करती है। आज जब से भारतीय जनता पार्टी लोगों के विश्वास के दम पर पूर्ण रूप से बहुमत के साथ यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता में आई है अपने द्वारा किए हुए सभी वादों को पूरा करने का काम किया है चाहे राम मंदिर निर्माण की बात हो या धारा 370 हटाना हो सभी वादों को नरेंद्र मोदी ने पूरा किया है। भाजपा समाज के हर तबके के लोगों को साथ लेकर चलती है और पंडित दीनदयाल के आदर्शों को पूरा करते हुए समाज के अंतिम पावदान के व्यक्ति तक सरकार के विकास की योजनाओं को पहुंचा रही है। कहीं से कोई जाति पाति धर्म का भेदभाव इस सरकार में नहीं हो रहा है। पार्टी सबका साथ, सबका विकास के साथ काम कर रही है। विधानसभा संयोजक ओमप्रकाश राम ने आए हुए विभिन्न दलों के सभी कार्यकताओं का भाजपा में सदस्यता ग्रहण करने पर हृदय की गहराइयों से स्वागत अभिनंदन किया और उनको विश्वास दिलाया भारतीय जनता पार्टी हमेशा आपके साथ खड़ी है। हम सबको मिलकर 2024 के लोकसभा चुनाव को गाजीपुर में फतह करना है और देश में फिर एक बार मोदी सरकार बनानी है। सदस्यता ग्रहण करने वालों में मीरपुर उड़ासन ग्राम प्रधान अभय राम, सेमऊर ग्राम प्रधान अजीत सिंह, पूर्व जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष हरिश्चंद्र पाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य दिनेश राम, ओम प्रकाश चौहान, राजेश प्रजापति, संतोष यादव, अमरेश चौहान, नंदलाल विश्वकर्मा, दीपक चौहान, हरिकेश कुशवाहा, संजय चौहान, रोहित मिश्रा, अविनाश यादव, मुलायम यादव, सर्वजीत राम, संजय कुमार, सूरज सिंघानिया, लक्ष्मण राम, विनोद कश्यप, सुरेश राय, नरेंद्र कुमार सेठ, बुद्धि सागर पांडेय, हरिद्वार यादव, नागेंद्र कश्यप, चंदन दास सहित सैकड़ो लोगों ने इस अवसर पर भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जखनिया विधानसभा के मंडल अध्यक्ष धर्मवीर राजभर, उपेंद्र सिंह, मोनू तिवारी, हंसराज राजभर पूर्व मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, महामंत्री पीयूष सिंह, वरिष्ठ नेता राजेश भारद्वाज, दीपक सिंह, इंद्रदेव कुशवाहा, राजेश जायसवाल, गुलाब कुशवाहा, लालजी गोड़, प्रशांत सिंह, पंकज सिंह, नंदलाल प्रजापति, अजय विक्रम, अरविंद चौहान सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा व अध्यक्षता सहकारिता प्रकोष्ठ सह जिला संयोजक अशोक गुप्ता ने किया।

संक्षिप्त खबरें

"जीइनआईओटी." ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा बेस्ट एजुकेटर अवार्ड' से सम्मानित हुए बृजेश कुमार पाठक बढ़ाया जिले का मान

शाहगंज जौनपुर। शाहगंज नगर के बंसराज मेमोरियल सनराइज पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल बृजेश कुमार पाठक ने जौनपुर जिले का नाम रोशन किया है जीइनआईओटी ,ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा होटल रमांडा वाराणसी में एक सम्मान सभा का आयोजन किया गया जिसमे बृजेश कुमार पाठक को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए जीइनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस 2024 द्वारा "बेस्ट एजुकेटर अवार्ड" से सम्मानित किया,इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि-मेयर वाराणसी, विशिष्ट अतिथि अशोक तिवारी,शंकर मिश्रा (दयालु गुरु) राज्य मंत्री, डीसीपी वाराणसी, शयामनारायण सिंह ,क्षेत्रीय सचिव शिक्षा. विनोद राय. अंबरीश सिंह भोला रहे।बृजेश ने कहा कि यह सम्मान उनका व्यक्तिगत न होकर उनके विद्यालय और उस विद्यालय में कार्य कर रहे सभी शिक्षकों शिक्षिकाओं तथा पूरे प्रबंध समिति का है,क्योंकि यह सब उनके सहयोग और उन सब से प्राप्त उर्जा का परिणाम है। बृजेश कुमार पाठक की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के समस्त विद्वानों तथा श्रेष्ठ जनों ने अपनी शुभकामनाए तथा मंगलकामनाएं प्रेषित की। और श्री पाठक ने सबके प्रति अपने आभार को प्रदर्शित किया।

कांग्रेस के नेता नगरपालिका अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी व चार सभासदों सहित सैकड़ों ने ग्रहण किया भाजपा की सदस्यता

अहरौरा।मिजार्पुर। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भाजपा के प्रदेश व्यापी कार्यक्रम "मिलन समारोह" के तहत राजगढ़ ब्लाक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अहरौरा मंडल से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नगरपालिका चुनाव में कांग्रेस के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे उमाशंकर प्रजापति, सहित कांग्रेस के तीन सभासदों प्रभु मौर्या प्रियंका कुमारी ललित सोनकर व निर्दल सभासद आशीष अग्रहरि के अलावा चार दर्जन से ज्यादा कांग्रेस के अहरौरा नगर के कार्यकताओं सहित पूरे विधान सभा क्षेत्र के सैकड़ों लोगों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मड़िहान विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक मा.रमाशंकर सिंह पटेल द्वारा सदस्यता दिलाई गई,इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष लालबहादुर सिंह जिला महामंत्री दिनेश वर्मा ब्लाक प्रमुख गजेन्द्र प्रताप सिंह मंडल अध्यक्ष अहरौरा महेन्द्र अग्रहरि प्रवीण पाण्डेय राजबहादुर सिंह विरेन्द्र कोल सहित जयकिशन जायसवाल कृष्णा तिवारी श्वेता सिंह राजेश कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह सहित पूरे विधान सभा क्षेत्र के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

त्योहारों को मद्देनजर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

सिकन्दरपुर (बलिया)। स्थानीय चौकी प्रांगण में त्योहारों को मद्देनजर मंगलवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सरस्वती पूजा के कमेटियों के सदस्यों और अध्यक्षों से एक-एक करके सुविधाओ एवं समस्याओं पर चर्चा की गई। चर्चा में सिकन्दरपुर थानाध्यक्ष दिनेश पाठक ने बताया कि सारे पूजा समितियों के अध्यक्षों के पास मेरा मोबाइल नंबर होना चाहिए, जिससे कि भविष्य में कोई अराजक तत्व पूजा व त्यौहार में बाधा पहुंचाने की कोशिश करता है। तो हमें तत्काल सूचित करें। शांतिपूर्वक सरस्वती पूजा सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी हम सब की है। बैठक में उपजिलाधिकारी रवि पासवान, सिकन्दरपुर चौकी इंचार्ज व शांति समिति के नेता व अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

बोलेरो की चपेट में आने से बाइक सवार युवक घायल, रेफर

बैरिया (बलिया)। राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा अस्पताल मोड़ के समीप बाइक सवार युवक बोलेरो की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। आस-पास के लोगों ने उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा पहुंचाया,जहां उसकी स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार दोकटी थाना क्षेत्र के धतूरी टोला निवासी सूर्य प्रताप सिंह (19) कोरियर में डिलीवरी मैन का काम करते हैं।

सदर विधायक व डीएम द्वारा श्रीअन्न जागरूकता कार्यक्रम वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

प्रखर संतकबीरनगर। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष-2023 के क्रम में शासन की मंशा अनुरूप आज जनपद स्तरीय श्रीअन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जागरूकता रैली को सादर विधायक अंकुर राज तिवारी, जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर, मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस कार्यक्रम के साथ ही मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली को भी हरी झंडी दिखा करके रवाना किया गया, जिससे कि आगामी चुनाव में मतदान हेतु मतदाताओं में जागरूकता बढ़े। विधायक के द्वारा बताया गया कि श्रीअन्न की खेती पुराने समय में किसानों द्वारा की जाती थी जिसे मोटा अनाज कहा जाता था और यह सेहत के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होता है जिससे मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर व हृदय की बीमारियां नहीं होती है। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर द्वारा बताया गया कि यह रैली मुख्यतः किसानो द्वारा श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ श्री अन्न के उपभोक्ताओं में भी इसकी गुणवत्ता को लेकर के जागरूकता बढ़ाने के लिए की जा रही है जिससे कि उपभोक्ता श्री अन्न के गुणों से जागरूक हो और दैनिक आहार में इसको शामिल करें, इससे वे स्वस्थ रहेंगे, खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे और उनका मेडिकल का खर्चा भी कम होगा। इस कार्यक्रम में उप निदेशक कृषि डा0 राकेश सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी सीपी सिंह, जिला कृषि अधिकारी पी0सी0 विश्वकर्मा, जिला कृषि रक्षा अधिकारी शशांक, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा0 यशपाल सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी खलीलाबाद अर्जुन सहित सम्बंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

साइकिल की रफ्तार छोड़ कमल से जुड़े डा. सानंद सिंह, राजनीतिक गलियारे में चर्चा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सेवा समर्पित संगठन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रवादी विचारों तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के जनकल्याणकारी निष्पक्ष, भ्रष्टाचार मुक्त कार्यों से प्रेरित होकर आज समाजवादी पार्टी से स्थानीय निकाय के उम्मीदवार रहे डा सानन्द सिंह, सेना से सेवा निवृत्त कल्पनाथ बिंद, रामकुवर चौहान पूर्व प्रधान सौरम, फतेहउल्लाहपुर की ग्राम प्रधान सुमित्रा देवी, सलामतपुर अगस्ता की ग्राम प्रधान संगीता देवी, सेमरा चक फैज, राजेश यादव पूर्व प्रधान बक्सा, ग्राम प्रधान पचारा अफताब आलम, की ग्राम प्रधान रानी देवी के नेतृत्व में भारी संख्या में लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता विधानसभा मिलन समारोह में भाजपा जिला कार्यालय पर ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने पार्टी पट्टा व टोपी पहनाकर व पुष्प गुच्छ देकर लोगों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराया। इस अवसर पर सपना सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्रीय राजनीतिक दल है जो पं दीनदयाल उपाध्याय और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं एकात्म मानववाद के अंत्योदय विचारों पर समर्पित होकर काम करती हैं। और आज पूरे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भरोसा और विश्वास है। इस अवसर पर डा सानन्द सिंह ने कहा कि देश की सभ्यता, संस्कृति को संरक्षित करने, देश को विश्व पटल पर स्थापित करने तथा विकसित भारत बनाने की संकल्पना और भारतीय जनता पार्टी की जन कल्याण की लक्ष्य निर्धारित राजनीति मेरे प्रेरणा का स्रोत है ।जिसके सिद्धांत विचारों मे निष्पक्षता बिना भेद समाज के प्रत्येक वर्ग को समान रूप से सम्मान स्थान देने की वैचारिक व्यवस्था संगठन के मजबुती का आधार है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा समर्पित संगठन के एक कार्यकर्ता के रूप में मै आज अपने आप को गर्वान्वित महसूस करता हूं। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष एवं जिला सहकारी बैंक के उपसभापति अच्छेलाल गुप्ता, जिला मंत्री विधानसभा संयोजक सुरेश बिन्द, लोकसभा विस्तारक रवि प्रकाश पांडेय, मयंक जायसवाल, मनोज बिन्द, हरेंद्र यादव, गोपाल राय, उमेश दुबे, गर्वजीत सिंह, सनी चौरसिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दीपक सिंह ने किया।

72 लोगों ने रक्तदान कर मनाया हजरत इमाम हुसैन का जन्मदिन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर स्थित सदर इमामबाड़ा, मिश्र बाजार मे इमाम हुसैन रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ जिसमें महर्षी विश्वामित्र राजकीय स्वशासी मेडिकल कॉलेज गाजीपुर द्वारा संचालित ब्लड बैंक को 72 यूनिट रक्त दान किया गया। सबसे पहले रक्तदान की शुरूआत फीता काटकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. देश दीपक पाल मुख्य चिकित्साधिकारी, गाजीपुर ने किया जिसके पश्चात एक के बाद एक 72 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया जिसमें महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साकिब आब्दी ने बताया कि आज का दिन इंसानियत की दुनिया को नया जीवन प्रदान करने वाले व्यक्तित्व के मालिक हजरत इमाम हुसैन का जन्मदिन है जो कि हजरत मोहम्मद साहब के छोटे नवासे थे तथा जिनको आज से 1400 साल पहले कर्बला में इनके साथियों समेत बेरहमी से शहीद कर दिया गया था हम उसी इमाम के जन्मोत्सव पर यहां एकत्र होकर यह रक्तदान करके बता रहे हैं कि हम खून देकर जान बचाने मैं विश्वास करते हैं ना कि बेगुनाहों का खून बहा कर जान लेने में। जैसा कि कर्बला में इमाम हुसैन ने अपनी और अपने साथियों की जान देकर बताया की अगर इंसानियत को बचाने के लिए हमें अपनी जान भी देना पड़े तो हम अपनी जान देने से पीछे नहीं हटेंगे। आज हम उसी विचारधारा पर विश्वास करते हुए अपना रक्त दान कर रहे हैं क्योंकि हमारा भी खून इंसानियत और मानवता के काम आ सके। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ देश दीपक पाल बताते हैं कि रक्तदान महादान है क्योंकि आज विज्ञान में लाख तरक्की कर ली हो लेकिन मनुष्य का शरीर ही एकमात्र ऐसी मशीन है जिसमें रक्त का निर्माण होता है और यदि यह रक्त कठिन समय में जरूरतमंद तक पहुंच जाए तो उसके बहुमूल्य जीवन को बचाया जा सकता है इसलिए रक्तदान सभी को करना चाहिए और रक्तदान करने के लिए एक दूसरे को प्रेरित भी करना चाहिए। उन्होंने एक महापुरुष के जन्मदिन को इस रुप से मनाने का निर्णय लिया जिससे मानवता का कल्याण भी होगा। इस कार्यक्रम में गाजीपुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज पांडेय, केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट फेडरेशन उत्तर प्रदेश के जोन अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, सत्य प्रकाश के अलावा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लोग शामिल हुए जिसमें सैयद जुल्फिकार हुसैन, मेराज हैदर, सैयद हसन, अली पारवी, सैयद सलमान हैदर दिलबर हुसैन, सैयद अब्बास, मोहम्मद सरताज, अली तैयब मोहम्मद दानिश, फैज आब्दी, फरमान आब्दी, आफताब हैदर एडवोकेट, मुंतजिर, महताब आब्दी, शैजी काजमी, अलैहा जैनब, सय्यद मुहम्मद हुसैन, वाहिद आब्दी, सैय्यद मोजिज अब्बास आदि मौजूद रहे।

व्यक्ति ने फंदे से झूल मौत को लगाया गले

चहनियां। बलुआ थाना क्षेत्र के बड़गांवा गांव निवासी 33 वर्षीय अमित कुमार मंगलवार को फंदे से झूल मौत को गले लगा लिया। सुबह देर तक कोई पता नहीं चलने पर परिजनों द्वारा खोजबीन करने पर मौत का चला पता। बड़गांवा गाँव निवासी मिठाई लाल के दो पुत्रों सुनील और अमित में छोटा पुत्र अमित सोमवार की देर रात को खाना खाने के बाद सोने के लिए अपने रूम में चला गया। एक दिन पूर्व ही उसकी पत्नी सविता अपने छः माह के एकलौते पुत्र आदित्य को लेकर अपने मायके चली गयी थी । अमित जब देर सुबह तक अपने कमरे के बाहर नहीं आया तो माँ गिरिजा देवी उसे जगाने गयी। अंदर से बंद दरवाजा को खुलवाने का प्रयास किया। लेकिन कोई सुगबुगाहट न होता देख उसने परिवार के अन्य लोगों को बुलाया। दरवाजा तोड़ कर अंदर घुसे परिजनों के होश उसे फंदे पर लटकता देख उड़ गये। ग्रामीणों की सूचना पाकर मौके पर मारूफपुर चौकी प्रभारी अभिषेक शुक्ला व एस आई अश्वनी राय मय फोर्स मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतरवाया और ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय चंदौली भेज दिया।

अबु धाबी के हिंदू मंदिर के लिए भारतीय राज्यों ने दिया है योगदान

प्रधानमंत्री मोदी आज यानी 14 फरवरी को करेंगे इसका उद्घाटन

गंगा का पवित्र जल और राजस्थान का बलुआ पत्थर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी की 14 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबु धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे। इस मंदिर के निर्माण के लिए भारत के कई क्षेत्रों से योगदान दिया गया है। यूएई के पहले हिंदू मंदिर के लिए भारत से गंगा और यमुना का पवित्र जल, राजस्थान का गुलाबी बलुआ पत्थर और लकड़ी के फर्नीचर का उपयोग किया गया है। मंदिर के दोनों किनारों पर गंगा और यमुना के पवित्र जल का छिड़काव किया जाएगा। भारत से एक बड़े कंटेनर में इस पवित्र जल को लाया गया है। मंदिर के अधिकारियों के अनुसार, मंदिर के किनारे पर एक घाट बनाया गया है, जहां गंगा का पानी बहेगा। मंदिर के प्रमुख वॉलंटियर विशाल पटेल ने कहा, 'इसे वाराणसी के घाट जैसा बनाने का विचार था, जहां पर्यटक बैठकर ध्यान कर सकते हैं। जब पर्यटक इसके अंदर जाएंगे, तो उन्हें पानी की दो धाराएं दिखेंगी। ये धाराएं भारत की गंगा और यमुना को प्रदर्शित करेंगी।' इस मंदिर का निर्माण बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था द्वारा किया गया है। यह मंदिर कुल 27 एकड़ में जमीन पर बना है। मंदिर के सामने वाले हिस्से पर बलुआ पत्थर की पृष्ठभूमि पर उत्कृष्ट संगमरमर की नक्काशी है।

मंदिर का निर्माण 2019 में शुरू

मंदिर का निर्माण 2019 में शुरू हुआ था और मंदिर के लिए जमीन यूएई सरकार ने दी थी। इस मंदिर का निर्माण बोचासनवासी श्री अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा किया गया है। संस्थान की वेबसाइट के अनुसार, बीएपीएस के दुनियाभर में 3,850 से अधिक केंद्र संचालित है। इनमें न्यू जर्सी और लॉस एंजिल्स जैसे स्थान और 1,100 मंदिर से अधिक मंदिर शामिल है।

मंदिर की विशेषताएं

- 55,000 वर्ग मीटर भूमि पर फैला है यह मंदिर
- 700 करोड़ रुपये की लागत आई है मंदिर निर्माण में
- 40,000 घन फुट संगमरमर का उपयोग किया गया है मंदिर के आंतरिक भाग के निर्माण में
- 5,000 लोगों की क्षमता वाले दो सामुदायिक हॉल सहित कई सुविधाएं हैं यहां
- 25,000 से अधिक पत्थर की नक्काशी तैयार की है राजस्थान-गुजरात के कारीगरों ने
- मंदिर का डिज़ाइन वैदिक वास्तुकला और मूर्तियों से प्रेरित
- यूएई के 7 अमीरात का प्रतिनिधित्व करने वाले 7 शिखर और 402 खंबे निर्मित
- मन्दिर में पवित्र ग्रंथों की कहानियां बताने वाली जटिल नक्काशी

खबर संक्षेप

लोकसभा में बिहार की सभी सीटें जीतेंगे : नीतीश

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्त में हमलोग बिहार की सभी 40 सीटों पर चुनाव जीतेंगे। वहीं बिहार विधानसभा 2025 में भी और अधिक सीटें हमलोगों को आएंगी। बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए कहा कि बिहार में युवाओं की नौकरी और रोजगार पर फोकस है। 5 लाख 33 हजार युवाओं को नौकरी दी गई। इसके अलावा रोजगार भी दिया गया वहीं 5 लाख और रोजगार दिए जाएंगे। वहीं इस दौरान सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोग शुरू से कम ही कर रहे हैं।

मणिपुर : '1961 के बाद बसने वाले होंगे बाहर

इंफाल। मणिपुर में करीब 9 महीने से जारी हिंसा की वजह से लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे राज्य के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने सोमवार को कहा कि, 1961 के बाद राज्य में आने और बसने वाले लोगों की पहचान की जाएगी और उन्हें यहां से डिपोर्ट यानी निर्वासित किया जाएगा, चाहे वे किसी भी जाति या समुदाय के हों. सीएम के इस फैसले को मणिपुर के जातीय समुदायों की रक्षा के कदम के रूप में देखा जा रहा है। एन. बीरेन सिंह ने राज्य में महीनों तक चली हिंसा के लिए ड्रग माफिया और अवैध प्रवासियों, विशेष रूप से म्यांमार के शरणार्थियों को जिम्मेदार ठहराया था।

लालू के साले ने किया पटना कोर्ट में सरेंडर

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के साले पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष यादव ने पटना की एमएपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में मंगलवार को सरेंडर कर दिया। पुलिस टीम इससे पहले सुभाष यादव के घर पर बुलडोजर लेकर पहुंच गई। कुर्की-जब्ती के डर से उसने सरेंडर कर दिया। सुभाष पर जमीन कब्जे, धोखाधड़ी, रंगदारी समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। अदालत ने सुभाष को भगोड़ा घोषित किया हुआ था। साथ ही संपत्ति को कुर्क करने का आदेश भी जारी किया गया था। सुभाष यादव पूर्व सीएम राबड़ी देवी के छोटे भाई हैं।

एलर्ट : सीबीएसई के नाम पर दर्जनों फर्जी अकाउंट

नई दिल्ली। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व ट्विटर) पर अपने ढेरों फेक अकाउंट्स को लेकर सचेत हो गया है। सीबीएसई द्वारा ऐसे ट्विटर अकाउंट्स की एक सूची जारी की गई है, जिसमें वे सीबीएसई बोर्ड का लोगो लगाकर पोस्ट और अपडेट डाला करते हैं। सीबीएसई ने लोगों को बोर्ड के फर्जी एक्स हैंडल" (ट्विटर) से सावधान रहने को कहा है। सीबीएसई का कहना है कि कई हैंडल बोर्ड के नाम और लोगो का इस्तेमाल कर यूजर्स को भ्रमित कर रहे हैं।

दिल्ली में फिर किसान आंदोलन दे चुका है दस्तक

टिकैत नहीं इस बार दो नए चेहरे कर रहे किसान आंदोलन को लीड

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

किसान आंदोलन का जिक्र जब भी होता है तो दिमाग में सबसे पहला नाम राकेश टिकैत का आता है। राकेश टिकैत ने ही 2020 में हुए किसान आंदोलन को लीड किया था। कृषि कानूनो को विरोध में शुरू हुए इस आंदोलन का नेतृत्व करने वाले राकेश टिकैत इस बार शुरू हुए किसानों के आंदोलन का नेतृत्व नहीं कर रहे हैं। इस बार दो नए चेहरे इस आंदोलन को लीड कर रहे हैं। इसमें एक नाम पंजाब किसान नेता सरवन सिंह पंढेर का है, जिनके नेतृत्व में पंजाब से हजारों किसान दिल्ली कूच कर रहे हैं। वहीं दूसरा नाम जगजीत सिंह डल्लेवाल का है जो इस आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं।

सरवन सिंह पंढेर

सरवन सिंह पंढेर पंजाब के अमृतसर जिले के गांव पंधेर के रहने वाले हैं। वह दसवीं तक पढ़े हैं। उनकी उम्र 45 साल है। वो हमेशा से किसान हितों के लिए बढ़चढ कर बोलते हैं। वो अकाली दल के नेता विक्रम मजीठिया के करीबी माने जाते हैं। पंधेर छात्र जीवन से ही आंदोलनों में शामिल रहे हैं। पंढेर के पास करीब सवा दो एकड़ जमीन है। इस समय पंढेर माझा के किसान संगठन किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के महासचिव हैं। साल 2020 में हुए किसान आंदोलन के दौरान पंढेर पर दिल्ली में हिंसा भड़काने का आरोप भी लगा था। वो सरकार से बातचीत में शामिल किसानों की कमेटी भी भी शामिल रहे हैं। वो पहले भाकियू उगराहां के साथ थे। लेकिन वो अब पुरानी किसान मजदूर संघर्ष कमेटी का बड़ा चेहरा है। 2007 में किसान मजदूर संघर्ष कमेटी का गठन हुआ था। किसान संघर्ष कमेटी से अलग होकर सतनाम सिंह पन्नू ने इसका गठन किया था। ये संगठन भी किसानों के हकों की बात करता है।

जगजीत सिंह डल्लेवाल

जगजीत सिंह डल्लेवाल पहले संयुक्त किसान मोर्चा का हिस्सा रहे हैं। बाद में उन्होंने बलबीर सिंह राजेवाल के साथ मिलकर चार अलग संगठन बना लिए। जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में कृषि संगठन बीकेयू (एकता सिद्धूपुर) ने छोटे समूहों को साथ लिया और एक समानांतर संगठन एसकेएम (गैर-राजनीतिक) का गठन किया। इसमें हरियाणा, राजस्थान, एमपी के किसान समूह भी शामिल हैं। इसने किसान मजदूर मोर्चा के साथ हाथ मिलाया और 'दिल्ली चलो' के आह्वान के साथ अमृतसर और बरनाला में रैलियां कीं।

अगर किसानों के साथ अन्याय हुआ तो दिल्ली हमसे ज्यादा दूर नहीं'

किसानों के धरना-प्रदर्शन के बीच टिकैत का पहला बयान

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किसानों का प्रदर्शन जारी है। किसान बड़ी तादाद में दिल्ली की सीमा पर डटे हुए हैं। इस बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का बड़ा बयान सामने आया है। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, "देश में बड़ी पूंजीवाद कंपनिया हैं। उन्होंने एक राजनीतिक पार्टी बना ली है और इस देश पर कब्जा कर लिया है। ऐसे में दिक्कते आएंगी ही, अगर उनके (किसान) साथ कोई अन्याय हुआ। सरकार ने उनके लिए कोई दिक्कत पैदा की तो ना वो किसान हमसे ज्यादा दूर हैं और ना दिल्ली हमसे ज्यादा दूर है' टिकैत ने कहा कि जब दिल्ली में 13 महीने किसान आंदोलन चला। उस दौरान हमारी सरकार के साथ 12 दौर की बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2021 के बाद भारत सरकार से हमारी कोई बात नहीं हुई। अब तीन साल बाद यह बातचीत शुरू हुई है। किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च पर किसान नेता नरेश टिकैत कहा कि पूरे देश में विरोध प्रदर्शन चल रहा है। सरकार को हमारे साथ बैठकर बातचीत करनी चाहिए और किसानों को सम्मान देना चाहिए। सरकार को इस मुद्दे पर सोचना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए। साथ ही इसका समाधान निकालना चाहिए।

सरकार किसानों के साथ करती है अन्याय

कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि जो सरकार एमएस स्वामीनाथन और चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देती है, वही सरकार किसानों के साथ अन्याय करती है। किसान संगठनों की 3-4 मुख्य मांगें हैं। उनकी सबसे बड़ी मांग है- स्वामीनाथन फार्मूला लागू किया जाए और दूसरी प्रमुख मांग है- एमएसपी कानून। उन्होंने मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि एमएसपी 'न्यूनतम समर्थन मूल्य'है न कि 'मोदी विक्रय मूल्य'।

'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना' की घोषणा

1 करोड़ लोगों को हर महीने मिलेगी 300 यूनिट मुफ्त बिजली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए मंगलवार को 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' की घोषणा की। उन्होंने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''सतत विकास और लोगों की भलाई के लिए, हम पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना शुरू कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, ''75,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके 1 करोड़ घरों को रोशन करना है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों के बैंक खातों में सीधे दी जाने वाली पर्याप्त सब्सिडी से लेकर भारी रियायती बैंक ऋण तक, केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि लोगों पर लागत का कोई बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, ''सभी हितधारकों को एक राष्ट्रीय ऑनलाइन पोर्टल के साथ समेकित किया जाएगा जो और भी सहूलियतों को बढ़ाएगा।'

साइट पर आवेदन करने कहा

मोदी ने कहा कि जमीनी स्तर पर इस योजना को लोकप्रिय बनाने के लिए शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को अपने अधिकार क्षेत्र में रूफटॉप सौर प्रणालियों (छतों पर सौर ऊर्जा) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''साथ ही, इस योजना से लोगों के लिए अधिक आय, कम बिजली बिल और रोजगार सृजन होगा।' प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा और सतत प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सभी आवासीय उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं से आग्रह किया कि वे 'पीएमसूर्यघर डॉट जीओवी डॉट इन' पर आवेदन करके पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना को मजबूत करें।

वाराणसी के जज पर 'अभद्र' पोस्ट

कर्नाटक में तनाव फैला, 40 वकीलों पर एफआईआर दर्ज, विरोध-प्रदर्शन किया

एजेंसी ▶▶| रामनगर

ज्ञानवापी केस को लेकर फैसला सुनाने वाले जज पर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता चांद पाशा के एक अपमानजनक पोस्ट ने मंगलवार को कर्नाटक में सांप्रदायिकता का रंग ले लिया।

इस घटना के बाद पुलिस ने 40 अधिवक्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद रामनगर जिले में व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। अब अधिवक्ता सब-इंसपेक्टर के निलंबन की मांग कर रहे हैं। पुलिस विभाग को चेतावनी जारी की गई है कि सस्पेंशन जारी नहीं किया गया, तो राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। जिला कोर्ट में अधिवक्ताओं ने कार्यवाही का बहिष्कार किया।

आरोप झूठे होने का जवाब दें

रामनगर के व्यापारी रफीक खान की शिकायत पर पुलिस ने अधिवक्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। शिकायत में एडवोकेट एसोसिएशन से मांग की गई है कि वे एक ज्ञापन यह कहते हुए जमा कराए कि चांद पाशा पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। रफीक ने कहा कि आरोपियों ने हमें रोका, हमें बंद कर दिया और हमारे साथ मारपीट की। आरोपियों ने दावा किया कि वह जगह मस्जिद नहीं है। उन्होंने हमारे धर्म का नाम लेकर हमारे साथ दुर्व्यवहार किया।

तेजस्वी को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी याचिका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लालू यादव के बेटे और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुजरातियों को ठग बताने वाले बयान को लेकर दायर मानहानि की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने तेजस्वी यादव को राहत दी और कहा है कि उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया है। पीठ ने कहा, 'हमने शिकायत खारिज कर दी है। शीर्ष अदालत ने 29 जनवरी को तेजस्वी यादव को अपनी कथित टिप्पणी 'केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं' को वापस लेने का आदेश देते हुए अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसके बाद तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर अपनी "गुजराती ठग" वाली टिप्पणी वापस ले ली थी। शीर्ष अदालत ने आरजेडी नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए पहले आपराधिक मानहानि शिकायत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और गुजरात निवासी हरेश मेहता को नोटिस जारी किया था।

दो मजदूरों की हत्या करने वाला आतंकी गिरफ्तार

श्रमिकों में डर पैदा कर उन्हें कश्मीर से भगाने के लिए रची थी साजिश

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

पुलिस ने बीते सप्ताह श्रीनगर में पंजाब के दो श्रमिकों की टार्गेट किलिंग में शामिल मुख्य आतंकी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आतंकी श्रीनगर का ही रहने वाला है और उसके पास से वारदात में प्रयुक्त पिस्तौल भी बरामद किया गया है। यह वारदात पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हिट स्क्वॉड कहे जाने वाले द रजिस्टेंस फ्रंट टीआरएफ के हैंडलर के कहने पर अंजाम दी गई थी। ताकि कश्मीर में रह रहे अल्पसंख्यकों और अन्य राज्यों से रोजी रोटी की तलाश में आए श्रमिकों में डर पैदा कर उन्हे कश्मीर से भगाने और कश्मीर में बहाल होती शांति को भंग करने षड्यंत्र के तहत की गई है। लंगू ने कुछ अहम जानकारियां दी हैं। उनके आधार पर आगे कार्रवाई की जा रही है।

लश्कर-ए-तैयबा ने ली थी जिम्मेदारी

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था विजय कुमार ने कश्मीर रेंज के आइजी बीके विरदी की मौजूदगी में बताया कि हत्या में लिप्त पकड़े गए आतंकी का नाम आदिल मंजूर लंगू है और वह श्रीनगर के जालडगर का रहने वाला है। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के हिट स्क्वॉड टीआरएफ ने ली थी।

शांति को भंग करने की कोशिश

एडीजीपी विजय कुमार ने कहा कि यह वारदात कश्मीर में रह रहे अल्पसंख्यकों और अन्य राज्यों से रोजी रोटी की तलाश में आए श्रमिकों में डर पैदा कर उन्हे कश्मीर से भगाने और कश्मीर में बहाल होती शांति को भंग करने षड्यंत्र के तहत की गई है। लंगू ने कुछ अहम जानकारियां दी हैं। उनके आधार पर आगे कार्रवाई की जा रही है।

हल्द्वानी हिंसा

आरोपी अब्दुल मलिक को 2.44 करोड़ का नोटिस

एजेंसी ▶▶| हल्द्वानी

उत्तराखंड के हल्द्वानी में गुरुवार की शाम भड़की हिंसा के मामले में अब कार्रवाई शुरू हो गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी का सिलसिला लगातार जारी है। 8 फरवरी को हल्द्वानी के बनभूलपुरा में अतिक्रमण हटाने के दौरान कर्मचारियों पर हमला हुआ था। इस मामले के बाद से बनभूलपुरा में कर्फ्यू लगाया गया। शुक्रवार और शनिवार को हल्द्वानी के इलाके में भी कर्फ्यू जैसी स्थिति रही। हालांकि, पिछले दिनों कर्फ्यू में राहत दी गई। अब केवल वनभूलपुरा इलाके में कर्फ्यू लगाया गया है। वहीं, आरोपियों की धर-पकड़ लगातार जारी है। मुख्य आरोपी और बनभूलपुरा हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी के लिए 6 विशेष टीमें बनाई गई हैं। वहीं, अब्दुल मलिक को वनभूलपुरा हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई के लिए 2.44 करोड़ की वसूली का नोटिस जारी किया गया है। 15 फरवरी तक रकम जमा कराने के आदेश दिए गए हैं। बनभूलपुरा कांड के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक से हिंसा के दौरान हुए नुकसान की वसूली का निर्णय लिया गया है। हिंसा के दौरान हुई सरकारी संपत्ति के नुकसान को लेकर नगर निगम ने अब्दुल मलिक को 2 करोड़ 44 लाख रुपए की वसूली का नोटिस जारी किया है।

सिंगापुर एयर शो: 71 वायु योद्धाओं का दल सिंगापुर के पया लेबर एयरबेस पहुंचा

एयरोबेटिक्स युद्धाभ्यास का प्रदर्शन करेगी वायु सेना की 'सारंग' टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना की विश्व प्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम 20 फरवरी से सिंगापुर में होने वाले एयर शो में एयरोबेटिक्स युद्धाभ्यास का प्रदर्शन करेगी। इसके लिए भारत के 71 वायु योद्धाओं की एक टीम सिंगापुर के पया लेबर एयरबेस पर सोमवार को पहुंच चुकी है। इस एयर शो में पांच स्वदेशी एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) 'ध्रुव' भी अपनी हवाई क्षमता दिखाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का गठन 2003 में

वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का गठन 2003 में किया गया था। इस टीम ने पहला अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक प्रदर्शन 2004 में एशियन एयरोस्पेस शो सिंगापुर में ही किया था। शुरुआत में तीन हेलीकॉप्टर फॉर्मेशन के रूप में गठित और विकसित हुई सारंग टीम अब एक रोमांचक 5 हेलीकॉप्टर प्रदर्शन का दावा करती है। अब तक यह टीम दुनिया भर में 385 से अधिक स्थानों पर 1200 से अधिक प्रदर्शन कर चुकी है। बता दें कि यह टीम बेंगलुरु के पास येलहंका वायु सेना स्टेशन पर होने वाले द्विवार्षिक एयर शो 'एयरो इंडिया' में नियमित रूप से प्रदर्शन करती है।

'ध्रुव' को भी भेजा गया सिंगापुर

हवाई प्रदर्शन के लिए 5 उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों (एएलएच) 'ध्रुव' को भी सिंगापुर भेजा गया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने इसे हर मौसम में बहु मिशन को सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया है। इसमें कठोर रोटार लगाए गए हैं, जो इसे अत्यधिक चलने योग्य और सैन्य भूमिकाओं के लिए उपयुक्त बनाते हैं। यह टीम 4 संशोधित ध्रुव हेलीकॉप्टर उड़ाती है, जिन्हें उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) मार्क-1 के नाम से भी जाना जाता है। इसके अन्य वेरिएंट मार्क-2 और मार्क-3 हैं। इसका नवीनतम वेरिएंट एएलएच मार्क-4 सशस्त्र संस्करण है।

चिन्हारी

डा नीलकंठ देवांगन

पैरा का पिढ़हा चलन से बाहर

समय के साथ बहुत कुछ बदल जाता है । एक समय था जब गावों में हर घर बैठने के लिये लकड़ी के पिढ़हा (पिढ़वा) के साथ पैरा का पिढ़हा भी हुआ करता था । अलग आकार और अलग ऊंचाई के । पूर्वजों के चलन को किसान कलात्मक रूप से बनाकर उपयोग करते थे । खुद भी बैठते और आने वालों को भी बिठाते थे । बड़ा आराम मिलता था । पैरा को जोड़ते ऐंठते जाते और बेंठ बना लेते फिर पिढ़हा गांथ देते । कई लोग बेनी गांथने जैसा पिढ़हा बना देते । पूरा पैरा (लंबा) से बना पिढ़हा मुलायम और चिकना होता था । खाना बनाते समय चूल्हे के पास, धूप सेंकते, बाल संवारते, तिरी पासा खेलते इस पर बैठे देखे जा सकते थे । एक शिष्ट परंपरा यह थी कि यदि कोई महिला लकड़ी के पिढ़हा पर बैठी हो, उसका जेठ (कुरा ससुर) , मामा ससुर जैसे रिश्तेदार आ गये तो वह झट उठ जाती थी, उन्हें बैठने कहती और खुद पैरा के पिढ़हा पर बैठती । जब से लोक लुभावन प्लास्टिक, फाइबर के रंग बिरंगे पिढ़हे आये हैं, पैरा के पिढ़हों का चलन बंद हो गया है । नंदा गया है । भावी पीढ़ी इसे जानेगी भी नहीं ।

पुस्तक समीक्षा

ददरिया और लोकमत

कृति के नाव
ददरिया और लोकमत

कृतिकार
बलदाऊ राम साहू

प्रकाशक
जास्मिन प्रकाशन दिल्ली

समीक्षक
गोविंदा साव

मूल्य
तीन सौ रुपए

ददरिया छत्तीसगढ़ के लोक कला के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। प्राचीन काल से ददरिया को लोक जीवन में महत्व मिलता रहा है। आज भी ददरिया के प्रति लोगों में उत्साह देखा जाता है। इसी ददरिया को रचनाकारों के नजरिए को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। आपने छत्तीसगढ़ के साहित्यिक विभूतियों से ददरिया के प्रति उनके विचारों को संकलित कर ₹ददरिया और लोकमत₹शीर्षक से किताब रूप में प्रकाशित कराया है।लोक कला के प्रति रुचि रखने वाले कलाकारों तथा अंचल के कला प्रेमियों के लिए यह पुस्तक उपयोगी है क्योंकि ददरिया के अनेक पहलुओं को विस्तार से यहां रखा गया है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत बड़ा समृद्धशाली रहा है।समग्र सृष्टि ने जिसकी यशोगान की है।चिड़ियों की चहचहाहट,सतत प्रवाहमान जल की कलकल निनाद, पर्वत श्रृंखला की तराई से फूटती निर्झर की जलधाराएँ जब गाती हैं तो प्रकृति की सांगीतिक पर्व बसंत पंचमी की बरबस याद आ जाती है। ब्रह्मदेव ने सर्वप्रथम माँ सरस्वती जी से पृथ्वीवासियों को संगीतमय आशीष प्रदान करने हेतु अनुरोध किया था। फलतः माघ शुक्ल पक्ष पंचमी तिथि को संगीत की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती जी अवतरित हुई थी।भक्त गण बसंत पंचमी को देवी सरस्वती जी के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाते हैं।

प्रकृति की सांगीतिक पर्व बसंत पंचमी

परब विशेषः डा राघवेंद्र कुमार

पौराणिक कथा के अनुसार-सृष्टिकर्ता ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से ज्यों ही जल से वसुधा को अभिसिंचित की। देवताओं ने देवी स्तुति की।त्यों ही शक्ति स्वरूपा छटभुजी देवी हाथों में ग्रंथ, पुष्प, कमंडल, वीणा और माला धारण की प्रकट हुई।देवीस्तुति से वैदिक ऋचाएँ निर्मित हुईं।माँ शारदाजी की वीणावादन से चतुर्दिक वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हो उठा।इस दिन सरस्वती पूजन की जाती है।इसी दिन लक्ष्मी जी का भी जन्म हुआ था। इसलिए इस तिथि को 'श्री पंचमी 'या 'ज्ञान पंचमी ' भी कहा जाता है। इसी दिन सिक्खों के दसवें गुरू गोविंदसिंह जी परिणय बंधन में बंधे थे।बसंत पंचमी की प्रातः अभ्यंग स्नान कर पूजा -अर्चन की भी प्राचीन प्रथा प्रचलित है।शिक्षा की परम्परागत शुरूआत इसी तिथि से की जाती है।बसंत पंचमी लोकप्रिय संस्कृत कवि कालिदास से भी सम्बद्ध तिथि है।बसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त के नाम से भी जाने जाते हैं।छत्तीसगढ़ में कुछ ऐसी परम्पराएँ बसंत पंचमी, रामनवमी और अक्षय तृतीया जैसे पर्व अनादि काल से प्रचलित हैं।जिसमें मुहूर्त देखने की आवश्यकता ही नहीं होती। बसंत ऋतु की आने की आहट पाकर कृषि भूमि कनक भूमि में परिवर्तित हो जाती है।सरसों की पीतवर्णी पुष्प और गेहूँ की हरित बालियाँ धरावधू को सौन्दर्यशालिनी बना देती है।तब धरा झूम उठती है। झूमते महुए की डार,भ्रमरों के गुंजार और ढोल -नगाड़े की थाप पर्वराज फाल्गुन के आने की पूर्व सूचना दे जाने की सुखद पड़ाव को लाकर खड़ा कर देते हैं। तब लोग गा उठते हैं।-

खोलव संगी देहरी के दरवाजा।
आगे देखव जी बसंत राजा।
जेकर बिना मया के पेट उना हे।
देखव संगी बनके बसंत आये पहुना हे।
बाजत हे सुघ्घर किसिम -किसिम के बाजा।
आगे देखव जी बसंत राजा।

बसंत पंचमी उत्साह और समृद्धि का प्रतीक है। ज्ञान, समझ, ऊर्जा, प्रकाश ,सुख, शांति, सादगी, शुचिता और बुद्धिमत्ता का रंग बासंती (पीला) रंग है।जो आशावाद का प्रतीक है।बसंत पंचमी का अमृत संदेश यही है कि -"हम निराशावादी नहीं प्रत्युत आशावादी बनें।₹हृदयगीत आज भी प्रासंगिक है।-

नींद गफ़लत की क्यों सो रहा है?
देखो दस्तक बसंत दे रहा है।
जब से ऋतु बसंत है आई।
बैरन नींद आँखों की है चुराई।
बिन उनके बस अंत हो रहा है।
देखो दस्तक बसंत दे रहा है।

प्रकृति का आनंद फूलपाड झरने से

पर्यटनः विश्वनाथ देवांगन

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड कुंवाकोंडा से कुछ दूरी पर स्थित ग्राम पालनर से सात कि मी दूरी पर फूलपाड पर्वत है। यही से निकलता झरना दंतेवाड़ा का सबसे ऊंचा झरना है। यह झरना बैलाडीला पहाड़ी से निकलकर अरनपुर घाटी से होता हुआ फूलपाड पर्वत से गिरने के कारण फूलपाड झरना कहलाता है। इस झरने तक पहुंचने के लिए इसी झरने के बहते पानी को पार कर जाना होता है इसलिए बरसात के दिनों में इस झरने तक पहुंच पाना असम्भव हो जाता है। काफी ऊंचाई से गिरते झरने तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों का निर्माण किया गया है।पिकनिक मनाने वर्ष भर पर्यटक यहां पहुंचते रहते हैं।

छत्तीसगढ़ का स्वर्ण काल

ऐतिहासिकः डा पुष्पा तिवारी

वर्तमान छत्तीसगढ़ के प्राचीन कल्चुरी काल में 10 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से 18 वीं सदी के मध्यान्ह तक एक दीर्घ शांति एवं विकासोन्मुखी स्थिति के बीच कलचुरियों का सुव्यवस्थित प्रशासन चला। कल्चुरी राजाओं ने सबसे अधिक समय तक शासन की बागडोर संभाली तथा इस क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करने का भरपूर प्रयास किया। आज भी इस क्षेत्र के मंदिर मूर्तियों, भग्नावशेषों, चित्रकला, स्थापत्यकला, मूर्तिकला संस्कृति के चरमोत्कर्ष की गाथा गाते हैं। यहां उत्कीर्ण लेखों से स्पष्ट होता है कि प्रजा अत्यंत सुखी थी। इसलिए कल्चुरी काल को छत्तीसगढ़ का स्वर्ण काल कहा जाता है।

छत्तीसगढ़ी साहित्य में लोक गाथा का स्थान

लोक साहित्यः उर्मिला शुक्ल

छत्तीसगढ़ी लोक गीतों में गाथा का महत्वपूर्ण स्थान है और इन लोक गाथाओं के गायन में यहां की स्त्रियों का योगदान उल्लेखनीय है। छत्तीसगढ़ की समाज व्यवस्था में स्त्रियों की दशा उतनी दयनीय नहीं है। यहां की स्त्रियां आर्थिक रूप से परतंत्र नहीं होती। यहां की विवाह व्यवस्था भी स्त्री पुरुष में कोई भेद नहीं करती। यही कारण है कि यहां के लोकगीतों, खासकर गाथाओं में नारी चेतना और नारी स्वतंत्रता का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है। इन गाथाओं में एक ओर नारी के परंपरागत रूप का, उसके दोयम दर्जे का वर्णन है तो दूसरी ओर उसकी संघर्षशीलता, उसकी जिजीविषा और उसकी शक्ति को रेखांकित करती गाथाएं भी हैं। इन गाथाओं में बहुचर्चित देवार गीत दसमत कैना उल्लेखनीय है। छत्तीसगढ़ी गाथा गायन परंपरा की यह लुप्त प्राय गाथा लोक वार्ता की अमूल्य निधि है।

गांव की कहानी

डा प्रकाश पतंगीवार

धमतरी से बालोद मुख्य मार्ग पर सांकरा ग्राम से 3 किमी दूरी पर बरही ग्राम बसा है। इस गांव के नामकरण के पीछे मान्यता है कि सात गांव का एक सतहो राजा का राजस्व वसूल करता था।

कई रहस्यों को साक्षी ग्राम बरही

12 गांवों के केंद्र में राजा का एक प्रतिनिधि बरहो होता था। जमींदारी, मालगुजारी और टकोली वसूल करने की प्रथा समाप्त होने के साथ साथ बरहो भी खत्म हो गया। परंतु गांव का नाम अपभ्रंश होते होते बरही हो गया। यहां के तालाब को बरही जलाशय कहा जाता है। इस तालाब का पानी कभी सूखता नहीं। अंग्रेज अभियंता ए जे बेडलाग ने इस क्षेत्र में सर्वेक्षण कराया और छोटे छोटे जलाशय बनाने का निर्देश दिया। बरही जलाशय संभवतः एडम स्मिथ के कार्यकाल में निर्मित हुआ। इस तालाब के मेढ़ पर बड़े बड़े वृक्ष तालाब की शोभा बढ़ाते हैं। यहां के बड़े बड़े विशालकाय चट्टानों के बीच एक गुफा है। प्राचीन काल में शेर, भालू और चीते इसके भीतर विश्राम करते थे। यह गुफा काफी लंबी है। इसी के समीप स्थल के चट्टान को हाथी पांव कहा जाता है। इस चट्टान के नीचे यहां जंगल के हाथी विश्राम किया करते थे। इसके साथ ही प्राचीन कई स्थल ऐसे है जो इतिहास की स्मृतियों को उजागर करते दिखाई देते हैं।

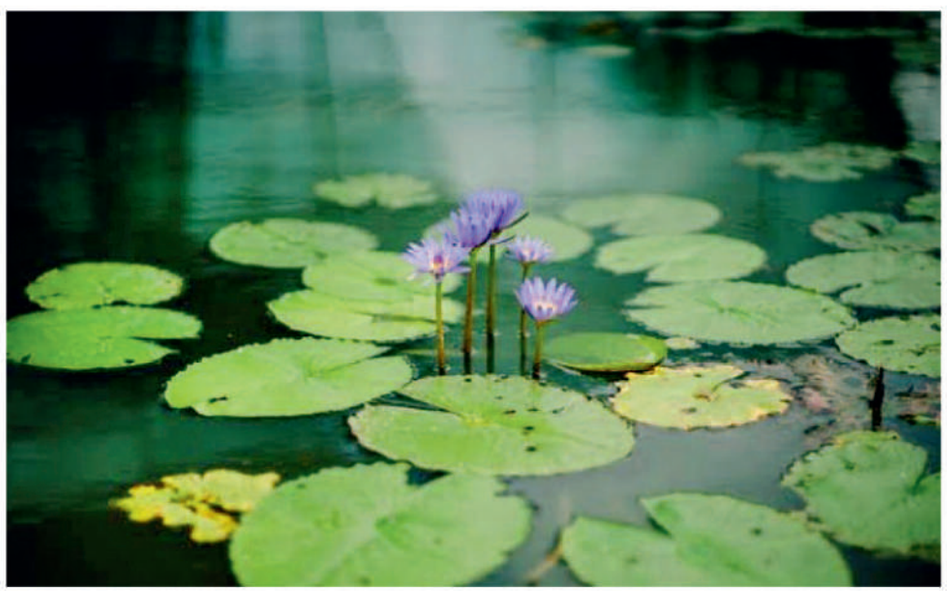

तीसरा टेस्ट कल से, टीम इंडिया के 6 दिग्गज बाहर, युवाओं के सहारे रोहित ब्रिगेड

एजेंसी ▶▶ राजकोट

इन दिनों टीम इंडिया अपने घर में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। शुरुआती 2 टेस्ट हो चुके हैं. सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। भारत को इस सीरीज में अपने स्टार और दिग्गज खिलाड़ियों की कमी साफ खल रही है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली इस टीम के अधिकतर प्लेयर चोट और फिटनेस संबंधी समस्या से जूझ रहे हैं। सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में कल 15 फरवरी से होना है, जहां हिटमैन एक युवा टीम के साथ मैदान में होंगे।

राहुल की जगह पडिक्कल को जगहभारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। तीसरे टेस्ट मैच से केएल राहुल बाहर हो गए हैं और उनकी जगह देवदत्त पडिक्कल को मौका मिला है। पडिक्कल अभी रणजी ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए खेले रहे हैं और कमाल के फॉर्म में चल रहे हैं। राहुल चोटिल होने के कारण तीसरा टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में है 1-1 की बराबरी

फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए राहुल

रिपोर्ट के अनुसार तीसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम के ज्यादातर खिलाड़ी राजकोट पहुंच गए हैं। खिलाड़ियों ने अभ्यास भी शुरू कर दिया है। राहुल इस दौरान फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम ने चयनकर्ताओं को बताया कि अभी उनके ठीक होने में 1 सप्ताह से ज्यादा का समय लग सकता है, इसलिए यह बदलाव किया गया।

फिलहाल 1-1 से बराबर पर है सीरीज

दोनों टीम के बीच खेली जा रही सीरीज अभी काफी रोमांचक स्थिति में पहुंच गई है। हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच को इंग्लैंड की टीम ने 28 रन से अपने नाम किया था। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने शानदार वापसी की और उन्होंने मुकाबला 106 रन से अपने नाम कर लिया। अब तीसरा मुकाबला 15 फरवरी से राजकोट में खेला जाना है। इसके बाद चौथा टेस्ट मैच रांची और आखिरी मुकाबला धर्मशाला में खेला जाना है।

तीसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया का स्क्वॉड

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार और आकाश दीप।*

चोट और फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे ये दिग्गज

विराट कोहली : पर्सनल कारण के चलते टेस्ट सीरीज से बाहर हैं।
श्रेयस अय्यर : पीठ की चोट के चलते दूसरा टेस्ट खेलकर सीरीज से बाहर हो गए।
केएल राहुल : पहले टेस्ट में चोटिल हुए, जांघ में समस्या के चलते बाहर हैं।
रवींद्र जडेजा : रवींद्र जडेजा भी पहले टेस्ट में चोटिल थे, दूसरा टेस्ट नहीं खेल पाए।
मोहम्मद शमी : विश्व कप 2023 के बाद से ही चोट के चलते मैदान से बाहर हैं।
ऋषभ पंत : 2022 में हुई सड़क दुर्घटना के बाद से क्रिकेट मैदान से दूर हैं।

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज शेड्यूल

तीसरा टेस्ट- 15-19 फरवरी, राजकोट
चौथा टेस्ट- 23-27 फरवरी, रांची
पांचवा टेस्ट- 7-11 मार्च, धर्मशाला

खबर संक्षेप

वावरिंका अंतिम 16 में पहुंचे, सिलिच बाहर हुए

ब्यूनस आयर्स। तीन ग्रैंड स्लैम खिताब के विजेता स्टैन वावरिंका अर्जेंटीना ओपन टेनिस के प्री-क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस जैरी का सामना करेंगे। विश्व रैंकिंग में 60वें स्थान पर काबिज वावरिंका ने सोमवार को स्थानीय खिलाड़ी पेड्रो कैचिन के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए 6-7, 6-1, 6-2 से जीत दर्ज की। अमेरिका ओपन (2014) के चैंपियन रहे मारिन सिलिक को लास्लो जेरे ने 4-6, 6-3, 6-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर किया।

स्मृति मंधाना बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंची

दुबई। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं।
मुंबई की 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट का स्थान लिया जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला में लचर प्रदर्शन के कारण पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं। इंग्लैंड की नेट साइवर ब्रंट, श्रीलंका की चमारी अटापट्टू और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी बल्लेबाजी रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दसवें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं लेकिन ऑलराउंडर की सूची में वह एक पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड की सोफी एक्लेसटोन शीर्ष पर बनी हुई हैं।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ। आंद्रे रसेल और शेरफेन रदरफोर्ड की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच छठे विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी से वेस्टइंडीज ने मंगलवार को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 37 रन की सांत्वना जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआती दो मैचों को जीतकर पहले ही श्रृंखला अपने नाम कर ली थी। रसेल ने आखिरी ओवर में एडम जम्पा को खासतौर पर निशाना बनाते हुए सिर्फ 29 गेंदों में 71 रन बनाए, जबकि रदरफोर्ड ने 40 गेंदों में नाबाद 67 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 220 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया पांच विकेट पर 183 रन ही बना पाया।

क्रिकेट : तीन टी20 मैचों के लिए श्रीलंका की टीम घोषित

आखिरी वनडे आज, श्रीलंका सूपड़ा साफ करेगी या अफगानिस्तान बचा पाएगी लाज

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

श्रीलंका क्रिकेट टीम और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बीच 3 मैच की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला आज 14 फरवरी को खेला जाना है। श्रीलंका सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुकी है। ऐसे में अफगानिस्तान आखिरी मुकाबले को जीतकर क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी। मैच में श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस और अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी होंगे। तीसरा वनडे पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच को भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से फैनकोड एप पर लाइव देखा जा सकता है।

तीन मैचों की टी0 सीरीज 17 से

तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए वानिंदु हसरंगा कप्तानी करेंगे। पहला मुकाबला 17 फरवरी जबकि आखिरी मुकाबला 21 तारीख को खेला जाएगा। श्रीलंका की टी20 टीम में चोटिल दुष्मंथा चमीरा को भी जगह मिली है। वे पूरी तरह से ठीक नहीं हैं, इसलिए उनके बैकअप के लिए बिनुरा फर्नांडो भी टीम का हिस्सा बने हैं।

इन खिलाड़ियों सहित उतरेगी श्रीलंका टीम

श्रीलंका की बल्लेबाजी दोनों मुकाबलों में कमाल की रही है। पथुम निसांका और चरिथ असलंका जैसे बल्लेबाज कमाल के फॉर्म में चल रहे हैं। कप्तान कुस मेंडिस भी अपना खोया हुआ फॉर्म प्राप्त कर चुके हैं। ऐसे में श्रीलंका की टीम अपने प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं करना चाहेगी।

संभावित एकादश
अविष्का फर्नांडो, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (कप्तान और विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, जेनिथ लियानाजे, चरिथ असलंका, वनिंदु हसरंगा, महेश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, प्रमोद मदुशान और दिलशान मदुशंका।

अफगानिस्तान टीम का ऐसा संयोजन

पहले 2 मैच में अफगानिस्तान की गेंदबाजी बेहद खराब रही थी। ऐसे में आखिरी मुकाबले में फजलहक फारूकी, नूर अहमद और फरीद अहमद जैसे गेंदबाजों को अच्छा करना होगा। गुलबदीन नबी और मोहम्मद नबी को भी इनका अच्छा साथ निभाना होगा। टीम के शीर्ष क्रम को बल्लेबाजी में अच्छा करना होगा।
संभावित एकादश : रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह, अजमतुल्ला उमरजई, गुलबदीन नबी, मोहम्मद नबी, इकराम अलिखिल, नूर अहमद, फरीद अहमद, फजलहक फारूकी।

दोनों टीमों के हेड-टू-हेड आंकड़ों पर एक नजर

दोनों टीमों के बीच खेले गए वनडे मुकाबलों में श्रीलंका के आंकड़े कमाल के रहे हैं। 14 वनडे में श्रीलंका को 9 में जीत मिली है और 4 अफगान टीम ने अपने नाम किए हैं। इसी तरह 1 मुकाबले का कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। पिछली 5 भिड़ंत में 4 मुकाबलों में श्रीलंका को जीत मिली है और 1 मैच अफगानिस्तान ने अपने नाम किया है। श्रीलंका में अफगानिस्तान को 2 मैच में जीत मिली है।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

निसांका ने पिछले 7 मैच में 78.8 की औसत से 394 रन बनाए हैं। असलंका के बल्ले से पिछले 10 मैच में 57.33 की औसत से 344 रन निकले हैं। उमरजई ने पिछले 10 मैच में 96.6 की उम्दा औसत के साथ 493 रन बनाए हैं। मदुशंका ने पिछले 10 मैच में 16 विकेट झटके हैं। हसरंगा के नाम पिछले 3 मैच में 11 विकेट है। नबी ने पिछले 10 मैच में 9 विकेट झटके हैं।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

पोप और जोश को पीछे छोड़ शमर जोसेफ ने जीता पुरस्कार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के शमर जोसेफ को जनवरी महीने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना है। उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ओली पोप और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के जोश हेजलवुड को पीछे छोड़ते हुए ये सम्मान हासिल किया है। बता दें कि जोसेफ ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में कमाल का प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

जोरदार रहा था जोसेफ का प्रदर्शन

जोसेफ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में 5 विकेट लिए थे। वह टेस्ट क्रिकेट में अपनी पहली गेंद पर विकेट लेने वाले टायरेल जॉनसन के बाद वेस्टइंडीज के सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने थे। दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने 68 रन देकर 7 विकेट झटके थे।

पुरस्कार जीतने के बाद क्या बोले जोसेफ?

जोसेफ ने पुरस्कार जीतने के बाद अपने साथी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का आभार जताया। आईसीसी ने उनके हवाले से लिखा, मैं यह पुरस्कार जीतकर बेहद खुश हूं। विश्व क्रिकेट में ये पुरस्कार पाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने ऑस्ट्रेलिया में खेलने के हर पल का पूरा आनंद लिया। यह मेरे लिए वास्तव में एक यादगार क्षण था और मैं बस कड़ी मेहनत करना जारी रखना चाहता हूं।

जनवरी में पोप और हेजलवुड का प्रदर्शन

पोप ने जनवरी में सिर्फ एक टेस्ट भारत के खिलाफ हैदराबाद में खेला था। उन्होंने उस मैच की दूसरी पारी में 196 रन बनाए थे। हेजलवुड ने जनवरी महीने के दौरान 11.63 की औसत से 19 विकेट लिए थे। उन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध सिडनी टेस्ट में कुल 5 विकेट लिए थे। इसके बाद वेस्टइंडीज के विरुद्ध उन्होंने एडिलेड टेस्ट में 9 विकेट (4/44 और 5/35) और गाबा टेस्ट में 5 विकेट (2/38 और 3/23) लिए थे।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले दिन गंवाए 220 रन पर 6 विकेट

रचिन ने मचाई खलबली

एजेंसी ▶▶ हैमिल्टन

दक्षिण अफ्रीका की टीम इस समय न्यूजीलैंड दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड ने 281 रन से जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 से बढ़त बनाई हुई है। मंगलवार 13 फरवरी से दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और पहले दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट खोकर 220 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड के गेंदबाज रचिन रवींद्र ने 3 विकेट झटक कर टीम में खलबली मचा दी है। मेहमान टीम से रुआन डी स्वार्ट (55*) और शॉन वॉन बर्ग (34*) ने अपना संघर्ष जारी रखा है।

दक्षिण अफ्रीका की खराब रही शुरुआत

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की खराब शुरुआत रही। विकेटकीपर बल्लेबाज क्लाइड फोर्टुइन बिना खाता खोले ही आउट हो गए। इसके बाद कप्तान नील ब्रांड 25 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका ने 40 रन तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए। नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए रेनार्ड वान टोंडर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे और 32 रन बनाकर आउट हुए।

मध्यक्रम खिलाड़ियों ने भी किया निराश

शीर्ष क्रम के खराब प्रदर्शन के बाद टीम के मध्यक्रम ने भी निराश किया। जुबैर हमजा (20) और डेविड बेडिंघम (39) भी क्रीज पर टिकने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल सके। अनुभवी कीगन पीटरसन दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके और महज 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कीगन को रविंद्र ने आउट किया दक्षिण अफ्रीका ने 150 रन तक अपने शीर्ष के 6 बल्लेबाजों के विकेट खो दिए।

बांग्लादेश के दिग्गज खिलाड़ी तमीम का कॅरियर खत्म! सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हुई छुट्टी

एजेंसी ▶▶ ढाका

टी20 विश्व कप 2024 से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया है। जिसमें कुल 21 खिलाड़ियों को जगह मिली है। बोर्ड ने टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज तमीम इकबाल को जगह नहीं दी है। बोर्ड के इस फैसले के बाद तमीम का करियर खत्म माना जा रहा है।

बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि 34 साल के तमीम उसकी प्लानिंग का हिस्सा नहीं हैं। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से तमीम इकबाल, इबादत होसैन, अफीफ होसैन, मोसादेक होसैन को बाहर कर दिया गया है। वहीं तौहीद हृदय, तंजीम हसन, महमुदुल हसन जॉय, नईम हसन, नुरुल हसन को शामिल किया गया है।

पीएम के कहने से वापस लिया संन्यास

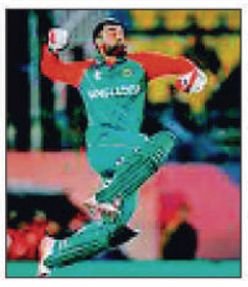

ये वही तमीम इकबाल हैं, जिन्होंने पिछले साल विश्व कप 2023 से ठीक पहले संन्यास का ऐलान कर दिया था। हालांकि देश की प्रधानमंत्री से बातचीत के बाद कुछ घंटों में ही अपना फैसला बदल लिया था, लेकिन उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। पिछले कुछ समय से पूर्व कप्तान तमीम इकबाल और बोर्ड के अधिकारियों के मतभेद की खबरें सामने आई थीं।

आईसीसी ना बीसीसीआई, 237 साल से एमसीसी बना रहा नियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

क्रिकेट की फैन फॉलोइंग करोड़ों में है। आधे से ज्यादा दुनिया इस खेल की दीवानी है। आज के दौर में हर देश अपना टी20 लीग लेकर आ रहा है। भले ही क्रिकेट सालों पुराना खेल है, लेकिन उसे आधिकारिक रूप 1876 में मिला था। आप सभी क्रिकेट देखते हैं तो उसके नियम भी जानते होंगे, लेकिन कभी इस बारे में सोचा कि आखिर ये नियम बनाता कौन है? हम आपके के लिए इसी सवाल का जवाब लेकर आए हैं।

एमसीसी नियम बनाती व संशोधन करती है

अधिकतर लोग सोचते हैं कि इंटरनेशनल क्रिकेट एसोसिएशन यानी आईसीसी क्रिकेट के नियम बनाती है, लेकिन यह सच नहीं है. क्रिकेट के नियम बनाने का काम एमसीसी का है, जो पिछले 237 साल से क्रिकेट के नियम बनाती आ रही है। एमसीसी के नियम पूरे क्रिकेट जगत में मान्य होते हैं। कई बार कुछ ऐसे नियम भी होते हैं जिनको लेकर आईसीसी या अन्य देशों के क्रिकेट बोर्ड विरोध करते हैं तो उसमें संशोधन भी करती है।

एमसीसी का पूरा नाम है मेरिलबोन क्रिकेट क्लब

एमसीसी का फुल फॉर्म मेरिलबोन क्रिकेट क्लब है। यह क्रिकेट के नियम बनाती है और नियमों में समय समय पर बदलाव भी करती है। यह क्लब 1787 में अस्तित्व में आया था, जिसका मुख्यालय इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान में है। आईसीसी के उदय से पहले क्रिकेट एमसीसी के नियमों पर ही खेला जाता था। खास बात ये है कि आईसीसी आज भी एमसीसी के नियमों पर ही चलता है, एमसीसी जो भी नियम बनाता है वह आईसीसी से हो कर ही गुजरते हैं और फिर लागू होते हैं।

महिला वर्ग में एमी हंटर ने जीता पुरस्कार

महिला वर्ग में आयरलैंड की एमी हंटर को ये पुरस्कार मिला। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और एलिसा हीली को पीछे छोड़कर ये सम्मान हासिल किया। हंटर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज में क्रमशः 101, 77* और 42 रन के स्कोर किए थे। मूनी ने दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम और भारत के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3 अर्धशतक लगाए थे। हीली ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अपने बल्ले से कमाल किया था।*

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

अकेले बुजुर्ग

पिछले दो महीने से स्विट्जरलैंड में हूं। यहां बड़ी संख्या में बुजुर्गों को देखती हूं। वे चाहे अस्सी वर्ष के हों या नब्बे के, माल्स में जाकर अपना सामान खुद खरीदते है। ट्राली को धकेलते है। अकेले रेस्टोरंटस में जाते है। और तो और वे दौड़ते भी नजर आते है। अपने देश से विपरीत यहां स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूकता है। इसकी वजह ये भी है कि अधिकांश बुजुर्ग अकेले रहते है। या तो बच्चे है नहीं, है भी तो साथ नहीं रहते। कभी-कभार महीने, छह महीने में एकआध घंटे के लिए मिलने आ जाते है इसलिए बुजुर्गों को अपना जीवन स्वयं जीना है। वे किसी के भरोसे नही रह सकते। यही हाल मैंने डाक्टरों के पास और अस्पताल में देखा है। पिछले दिनों जब बीमार पड़ी तो कई बार डॉक्टर के पास जाना पड़ा। अस्पताल में भी दाखिल होना पड़ा। डाक्टर के पास कई बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष देखे थे। बीमार होते हुए भी उनके चेहरे पर चिंता की कोई लकीरें नही थी। वे डाक्टर के यहां मुसकराते आते थे और मुसकराते ही जाते थे। उनके साथ भी कोई नही था। जबकि अपने यहां मरीज अकेला कही आ जाए, यह हो ही नही सकता। अकसर कोई न कोई उसके साथ होता ही है।

अस्पताल में भी जितने दिन भर्ती थी, एक बहुत वृध्द महिला पड़ोस में थी। उससे मिलने शायद ही कोई कभी आया। लेकिन वह लगातार खुश रहती थी। गाने गाती थी। और उसे अपने स्वास्थ्य से ज्यादा चिंता अपनी बिल्ली की थी। उसके बाद एक दूसरी महिला आई। उसका भी यही हाल था। यहां के बुजुर्गों में कोई बेचारापन नही दिखता। उसका कारण है कि उनकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती

है। उनके इलाज की मुफ्त व्यवस्था है। यही नही अस्पताल में जब वे अकेले होते है, तब भी उनकी देखभाल पूरी तरह से की जाती है। सही इलाज से लेकर अगर जरूरत हो तो व्हील चेयर पर घुमाने भी ले जाया जाता है। इसमें कोई कोताही नहीं बरती जाती। जबकि अपने यहां बुजुर्ग अब किसी की जिम्मेदारी नहीं है। बच्चे अगर बाहर काम करते है तो वे भी कितनी बार आ सकते है। मोहल्लापड़ोसदारी जहां आदमी एकदूसरे के सुख-दुःख में काम आ जाता था, वे भी अतीत की बातें हो चली है। महानगरों में तो काम आना दूर, जान-पहचान होना ही मुश्किल है। इसके अलावा सरकारों के तो कहने ही क्या। बुजुर्गों को शायद ही किसी तरह की विशेष सुविधा मिलती है। बल्कि कई नेता यह कहते पाए जाते है कि बुजुर्ग अर्थव्यवस्था पर बोझ है। उन्हें पेंशन भी देनी पड़ती है, जो सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ डालती है। एक अनुमान के अनुसार अपने देश में बुजुर्गों की संख्या दस करोड़ के आसपास है। इनके वोट तो सभी को चाहिए मगर इनका जीवन सुचारु रूप से चल सके इसकी परवाह किसी को नहीं है। आखिर इतनी बड़ी आबादी की इतनी उपेक्षा क्यों हो। इनकी परवाह किसी को क्यों नही होनी चाहिए। ये किसके भरोसे रहें। बच्चे पास नहीं। पास है भी तो बहुत से बच्चे देखभाल नहीं करते। खान, पान इलाज सब इ.न्हें कैसे मुहैया कराया जा सकता है कि जब तक ये इस दुनिया में है ये भी जी सकें। आखिर इन्होंने भी तो देश की अर्थव्यवस्था में कुछ योगदान दिया होगा। जब ये जवान रहे होंगे, तब इन्होंने भी भरपूर मेहनत की होगी। आज वक्त ने जब इन्हें ऐसा कर दिया है कि इन्हें सहारे की जरूरत है तो सरकारों और तमाम समाज सेवी संगठनों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। जब परिवार लगातार बिखर रहे है और बुजुर्गों के लिए ठौर-ठिकाना ढूंढना मुश्किल है, ऐसे में जरूरत है कि बड़ी संख्या में वृध्दाश्रम भी खोले जाएं, जिनमें बुजुर्ग चैन से रह सकें। ■

आखिर इतनी बड़ी आबादी की इतनी उपेक्षा क्यों हो। इनकी परवाह किसी को क्यों नहीं होनी चाहिए। ये किसके भरोसे रहें। बच्चे पास नहीं। पास हैं भी तो बहुत से बच्चे देखभाल नहीं करते

खरी खरी

■ मनीषा

इश्क-प्यार और मोहब्बत

आज प्यार करने वालों का दिन ही नहीं है। आज का दिन साल भर याद किया जाता है। इसका शिद्दत से इंतजार किया जाता है। प्रेम करने वालों के लिए यह ईद या दीवाली से कम नहीं। जिन्हें कसक है प्यार की, वे भी याद रखते हैं बाबा वेलेंटाइन को। जिनके दिल टूटे। जो कभी मिले नहीं। जो मिले तो पर बिछड़ गये। उन सब को याद दिलाता है यह प्रेम दिवस। प्रेम की इबारत को आज तक तरतीब से रचा नहीं जा सका। कबीर ने सटीक कहा है- ढाई आखर प्रेम का पढे सो पंडित होई। पर यह पढाई अक्षर ज्ञान वाली पढाई नहीं है। प्रेम को पढने की पाठशालाएं नहीं होतीं। प्रेम की कक्षाएं नहीं लगतीं। हालांकि पाठशालाओं और कक्षाओं में खूब प्यार होता है। वायदे किये जाते हैं। शेरो-शायरी का लेन-देन होता है। गीत गाये जाते हैं। खतो-किताबत होती है। आंखें पढी जाती हैं और नगमे लिखे जाते हैं। कहने का बायोलॉजिकली यह कैमिकल लोचा है। होता है तो हो जाता है। और ना हो तो कभी ना हो। प्यार लहरों की तरह है। उठती कहां से हैं और जाती कहां हैं। किसी को पता ही नहीं चलता। समंदर के सीने पर उमड़ती लहरें प्रेम का संगीत बजाती हैं। बारिश की बूंदे मोहब्बत की ताजगी समेटे गिरती हैं। उनकी धुन में जो मस्ती है, वह कलमबद्ध नहीं की जा सकती। प्रेम मिट्टी में गिरी बूंद की वह खुशबू है, जिसे शब्दों से नहीं समझाया जा सकता। प्यार तो बस होता है या नहीं होता। उसमें कुछ ज्यादा-कम नहीं होता। ना सच्चा-झूठा। यह तो समझ का फेर है। लोग अपनापे को प्यार समझ लेते हैं। लगाव को मोहब्बत। खिंचाव को प्रेम। वह तो आम की तरह है। आम दशहरी है, लंगड़ा, देसी, तोतापरी, चौंसा, हापुस पर आम तो आम है। यह तो खाने वाले पर है। उसका स्वाद, उसका आनंद, उसकी सुगंध वह कैसे लेता है।

यह वह जज्बा है, जब सिर चढता है तो आंखे मूंद देता है। बन्दा या तो उठता नहीं। या उठ ही जाता है। दुनिया कितनी भी तरक्की क्यों ना कर ले। प्रेम -प्यार के फसाने नये-नये ढंग से लिखे जाते रहेंगे। प्यार और रोमांस को बेचने वालो ने इसे बेढब तरीके से बेचा। आज भी बेंच रहे हैं। यह उतनी सस्ती चीज नहीं, जो बिक जाए। वह प्रेम ही था। जो शबरी ने राम से किया। राम ने उसी प्रेम में वशीभूत हो, शबरी के जूठे बेर खा लिये। मंदोदरी का रावण से था। यह जानते हुए कि लंकाधिपति राम से युद्ध करने की गलती कर रहा है। मंदोदरी ने रावण को चेतावनी दी। मगर वह रावण के ही साथ रही। उसने विभीषण बनने की कल्पना भी नहीं की। बाबा वेलेंटाइन तो आधुनिक वक्त का चरित्र हैं। ये पौराणिक कथाएं हमें तरह-तरह के प्रेम के रसों से भिगोती रही हैं। प्रेम तो उर्मिला का लक्ष्मण से था। जिसने पति की नींद अपनी पलकों पर सजा ली और चौदह साल इसलिए सोती पड़ी रही कि लक्ष्मण भाई की सुरक्षा में प्रहरी बन जागते रह सकें। प्रेम तो शिव का सती से है। जो अपनी अर्धांगनी का शव कांधों पर लेकर तांडव करके ब्रह्मांड को हिला देता है। प्यार तो देवी पार्वती का है। जिन्होंने सौ वर्ष तप कर शिव को विवाह के लिए राजी किया। प्रेम तो द्रौपदी का कृष्ण से है। जो ब्याही तो पांडवों से पर अपने सखा कृष्ण को ही संकट में पुकारती है। प्रेम है खुसरो का बाबा निजामुद्दीन से। तूती-ए-हिंद खुसरो औलिया के यूं तो शिष्य रहे ता-उम्र, मगर उन पर सब कुछ न्योछावर कर डाला। सात सौ साल पहले उन्होंने लिखा - खुसरो दरिया प्रेम का, वाकी उलटी धार। जो प्रेम की फिलॉसफी का बेजोड़ नमूना है।

प्यार-मोहब्बत बस गाने गाने या कसमें खाने में नहीं झलकता। प्यार है, किडनी फेल होने वाले पति को अपनी किडनी दान करने वाली स्त्री का। कोमा में पड़े पति की देखभाल करने वाली स्त्री का। मृत पति की बेवा के रूप में उजाड़ जीवन जीने का। किसी की फिक्र करना, उसकी जरूरियात का हर पल इंतजाम। डॉक्टर के पास ले जाना। उचित इलाज कराना। वक्त पर दवाएं देना। अपनी सुविधाओं या सुख क चिन्ता के बगैर साथी का ख्याल करना। यह सच है कि प्यार कोई संक्रमण नहीं है। यह छूने से ना तो फैलता है। न ही देखा-देखी बढता है। यह हवा का झोखा है। कभी भी, कहीं से आ सकता है। जा भी सकता है। काफूर भी हो जाता है। अपने प्यार के लिए सब ताजमहल नहीं बना सकते। पर कुछ घर बनाते हैं। कुछ दीवार पर एक फ्रेम में तस्वीर ही टांग लेते हैं। यह तो अपना-अपना तरीका है। मशहूर कलाकार शम्मी कपूर के बारे में हिट है। उनकी पहली पत्नी गीता बाली, जिनसे लव मैरिज की थी, की मौत के बाद वे महीनों कमरे से ही नहीं निकले। उसके कमरे में जो मंदिर था, उसमें भगवान के साथ गीता की भी तस्वीर रखी थी। जब उन्होंने नीला देवी से दूसरी शादी की तो कहा, यह तस्वीर कभी अपनी जगह से नहीं हटेगी। नीला का प्रेम भी कुछ कम ना था। उन्होंने शम्मी के प्रेम में कभी अपनी कोख से जाये बच्चे की चाह ना रखी। गीता और शम्मी के बच्चों को ही अपना बच्चा माना। संजीव कुमार के बारे में कहते हैं, वह हेमा मलिनी को इतना चाहते थे कि हेमा के राजी न होने पर उन्होंने शादी ही नहीं की। जैसे नन्दा और मनमोहन देसाई के बारे में है कि देसाई शादीशुदा थे। इसलिए उनकी शादी में अड़चने थीं। जिस रोज दोनों शादी करने जा रहे थे, उनकी संदिग्ध आत्महत्या की खबर आ गयी। उसके बाद नन्दा ने एकाकी जीवन बिताया। हालांकि मैं मानती हूं कि मोहब्बत का मतलब केवल शादी नहीं है। न ही जिसे तुम प्रेम करते हो, वही तुम्हें प्रेम करे यह जरूरी है। यह कोई लेन-देन नहीं है कि तुम दो तो हम दें। प्यार तो इमरोज की तरह करना सीखना चाहिए। इमरोज ने इसी साल देह त्याग दी। वे उस अमृता को चाहते रहे, जो साहिर की दीवानी थी। मशहूर नगमानिगार/शायर साहिर लुधियानवी। कमाल देखें, साहिर थे सुधा मल्होत्रा के इश्क में। उस वक्त की मशहूर गायिका। फिर भी इमरोज का प्रेम सर्वोच्च है। इमरोज हैं हमारे बाबा वेलेंटाइन।

प्यार सिर्फ बाहों में सिमट जाना नहीं है। न सात फेरे लेना या कुबूल है बोल देना। प्रेम का स्विच नहीं होता। जब-जहां चाहा, ऑन कर दिया। बावजूद इसके कि जिन्हें प्रेम होता है। उन्हें करीबियत बहुत भाती है। वे दूर नहीं रह सकते। उनके भीतर खास तरह के हॉर्मोन उमड़ते-घुमड़ते हैं। हॉर्मोन्स पर आपका बस नहीं चलता। वे कुलाचें मारते हैं, किसी खास के प्रति। उन्हें जबरन नहीं उकसाया जा सकता। जब वे पींगे मारते हैं तो देह को बेहतरीन अहसास होता है। खुमार उपजता है। मदहोशी छा जाती है। वह भी प्यार ही है, जब सड़क पर बीमार पड़े कुत्ते को वेट (डॉक्टर) के पास ले जा कर इलाज कराया। आवारा पशुओं के खाने का ख्याल करना। चिड़ियों के लिए भद्दर गर्मियों में बे-नागा पानी रखना। कबूतरों को चुगाना। अपने पालतू को जी-जान से चाहना। इस महानगर में ही अपनी कोठी स्ट्रीट डॉग्स के लिए खोलने वाली पशुप्रेमी हैं प्रतिमा देवी।

जो प्रेम कर सकता है, दयालुता उसी में पनपती है। प्यार की परतें होती हैं। एक पर एक। जो कभी खत्म नहीं होतीं। प्यार दोस्तों से भी हो सकता है। उनकी जरूरतों को लेकर आपकी फिक्र में टपकता है। प्रेम की किश्ते नहीं होतीं। जिन्हें सहूलियत से कतरा-कतरा बांटा जा सके। ना ही प्यार को संदूकचियों में तालों में रखा जा सकता है। ओशो कहते थे, प्यार सिर्फ देने की चीज है। असल दिक्त ही यही है। प्यार दिये बिना, प्यार चाहिए। कतर-ब्योत नहीं होती प्रेम में तभी तो जान दे देते हैं प्रेम जोड़े। जिसे जान से ज्यादा चाहते हैं, उसे ही झटके से मार डालते हैं। यह है निगेटिव इमोशन। संभाले नहीं संभलता। अपनापन किसी से भी हो सकता है। आदत हो सकती है किसी की। पर वह प्यार नहीं होता। जोड़े जब प्रेम में होते हैं, तो वे एक-दूसरे के लिए कुछ भी कर गुजरने को उतावले होते हैं। मगर ज्यों-ज्यों एक-दूसरे से की गयी उम्मीदों पर पानी फिरता है, प्रेम के रंग जर्द पड़ने लगते हैं। सलवटें बढती जाती हैं। गल्तियों पर त्योरियां चढने लगती हैं। एक-दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते। प्यार, खासतौर से रोमांटिक वाला लव दैहिक आकर्षण भी लाता है। नजदीकियां उन्माद भी जगाती हैं। जब टूटकर प्रेम होता है तो देह की दूरियां खुद-ब-खुद मिट जाती हैं। बेशक वह होता है समर्पण। जहां हम, हम ना रहें और तुम, तुम ना रहो। एक-दूसरे में डूब जाएं। यह स्वाभाविक है। प्राकृतिक। सेक्सुअल रिलेशन को प्रेम से घटाया नहीं जा सकता। यहां देह शुचिता की बात नहीं कर रही मैं। वह सामाजिक /नैतिक दायरों में कैद होती है। दिक्कत तब होती है, जब गर्भ ठहर जाए। जरूरी प्रोटक्शन का ख्याल ना किया जाए। प्यार की वह निशानी पहले अवैध संतान कहाती थी। व्यावहारिक व तार्किक ज्ञान ने स्वीकारा, प्रेमपूर्ण रिश्तों से जन्मी संतान अवैध कैसे हो सकती है। अदालतों ने भी अपने आदेशों में इस मासूम को प्रेम की निशानी माना। प्यार के क्षणों से जन्मा बच्चा प्रेमियों के संबंधों में आयी खटास से वैधता नहीं खो सकता। प्रेम अहसास है, जो कहीं जाता नहीं। विलुप्त नहीं होता। खोता नहीं। न ही मुरझाता है। प्यार मौसमी फूल नहीं है, जो तय वक्त पर झर जाएगा। यह हवा की तरह है। हर वक्त हमारे इर्द-गिर्द मौजूद। बस जब तेज होती है हवा तो उड़ाती है चीजों को। और हम चेत जाते हैं। पर जब तक वह मन्द रहती है, हमें उसकी मौजूदगी का अहसास ही नहीं होता। जैसे हर बीज में समूचा पेड़ समाया होता है। पर उसे तोड़ कर देखोगे तो पेड़ का अश्क भी नहीं मिलेगा। ना ही हर बीज पेड़ की तरह पनप पाता है। कुछ टूट जाते हैं। कुछ को कुचल दिया जाता है। और कुछ पौधे में तो तब्दील होते हैं। मगर उचित देखरेख, खाद-पानी या उपेक्षा के चलते मुरझा जाते हैं। ■

प्यार, खासतौर से रोमांटिक वाला लव दैहिक आकर्षण भी लाता है। नजदीकियां उन्माद भी जगाती हैं। जब टूटकर प्रेम होता है तो देह की दूरियां खुद-ब-खुद मिट जाती हैं। बेशक वह होता है समर्पण। जहां हम, हम ना रहें और तुम, तुम ना रहो। एक-दूसरे में डूब जाएं। यह स्वाभाविक है। प्राकृतिक।

पीला पुलाव

सामग्री- 500 ग्राम बासमती राइस, 3-4 लौंग, हरी इलायची, दालचीनी, 3-4 केसर के लच्छे, एक चुटकी पीला फूड कलर, दो चम्मच चीनी, काजू, बादाम, किशमिश, पिस्ता, 8-10 कटा हुआ, 100 ग्राम खोया, 2 चम्मच नारियल कद्दूकस किया हुआ, एक चुटकी ऑरेंज फूड कलर, एक चम्मच केवड़े का पानी, घी आवश्यकतानुसार,

विधि- सबसे पहले बासमती राइस को आधे घंटे के लिए पानी में भिंगो दे। फिर उसे अच्छे से धोकर रख लें। एक भगोने में जरूरत के अनुसार पानी डाल कर उसमें फूड कलर और लौंग डालकर उबलने दे। 10 मिनट उबलने के बाद उसमें चावल डाल दें। जब चावल पक चाए तो पानी निकाल कर इसे अलग प्लेट में फैलाकर रखें। अब पैन में घी डालकर गरम करें। उसमें इलायची, चीनी, बादाम,पिस्ता, पीला रंग, केसर, नारियल और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गैस को धीमा कर दें, उपर से ढक्कन भी लगा दें। कुछ देर बाद ढक्कन हटाएं आंच थोड़ी तेज करें। थोड़ी देर चावल को पकाएं, 10 मिनट बाद आंच बंद कर दें। उपर से केवड़े का पानी खोया डालकर मिक्स करें। तैयार हो गया केसरिया पीला पुलाव। काजू के टुकड़ों से सजाकर सर्व करें। ■

हर्ट शेप चॉकलेट

सामग्री- एक नारियल कद्दूकस किया हुआ, खोया 500 ग्राम, कोको पाउडर तीन चम्मच, कॉर्न फ्लोर दो चम्मच, 50 ग्राम बटर, चीनी 250 ग्राम, दो कप दूध, कटा बादाम सजाने के लिए।

विधि- कद्दूकस नारियल को एक बार मिक्सी में घुमा लें। धीमी आंच पर कढ़ाही को रखें। बटर डाल कर गरम करें जब बटर गरम हो जाए तब उसमें नारियल पेस्ट को डल कर धीमी आंच पर गाढ़ा होने तक भूनें। कॉर्न फ्लोर और कोको पाउडर मिलाएं। अब दूध मिलाएं। जब मिश्रण थोड़ा पक जाएं तब उसमें चीनी मिलाकर लगातार चलाते रहें। मिश्रण को तब तक पकाएं जब तक मिश्रण जमने लायक न बन जाए। चिकनाई लगी थाली में मिश्रण को डाल दें। अच्छी तरह फैलाएं। पूरे मिश्रण के उपर कटा हुआ बादाम डाल दें। हल्का जमने पर हर्ट शेप आकार में काट लें। 3-4 घंटा डीप फ्रीज में रखें। तय समय के बाद निकालें। बन गया हर्ट शेप कोकोनट चॉकलेट। इस वेलैनटाइन डे पर खाएं और खिलाएं।

वैलेनटाइन सैंडविच कुकीज

सामग्री- बटर 100 ग्राम, क्रीम 100 ग्राम, एक कप चीनी, एक कप मैदा, कोको पाउडर दो चम्मच,आधा चम्मच बेकिंग पाउडर,वेनिला एसेंस दो-तीन बूंद, एक चुटकी नमक।

विधि- एक बड़े कटोरे में मैदा और चीनी मिक्स करें, मक्खन को पिघलाकर मिलाएं। वेनिला एसेंस मिलाएं। खूब अच्छे से फेंटे। अब चॉकलेट कोको भी मिला दें एक चुटकी नमक भी मिलाएं। माइक्रो ओवेन को 350 डिग्री प्रीहिट कर के रखें। मिश्रण को माइक्रो ओवेन में डाले। दो मिनट तक बेक करें। मिश्रण को बाहर निकाल कर लोई बनाकर हार्ट शेप कटर से हार्ट शेप दे। अब एक हर्ट शेप के उपर क्रीमी लेयर लगाएं उसके उपर एक और हर्ट शेप रखें। इस तरह से कई सैंडविच बनाएं। फिर सारे सैंडविच को ओवेन में डाले 5-10 मिनट बेक करें। तैयार हो गया वैलेनटाइन सैंडविच कुकीज।

अनिता घोष

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(14 फरवरी-20 फरवरी)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- संतुलन की ज़रुरत है। परिवर्तन का समय है। कुछ नया करने में ऊर्जा लगाएं। कुछ चाहे, कुछ अनचाहे बड़े बदलाव हो सकते है। छमताओं से बढ़कर काम करना है और बड़ा दृष्टिकोण रखना ज़रूरी ह। रिश्तों में मुश्किलें आ सकती है। रिश्तों को खुशहाल बनाये रखने की कोशिश करतें। सफलता पाने के लिये अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- सुरक्षित और प्रसन्न महसूस करेंगे। हर पल का आनंद लें और सपनों को पूरा करने के लिए जुट जाएँ। विचारों को सही जगह पर व्यक्त करें। इससे फायदा होगा। सफलता का जश्न मनाने का पूरा मौका मिलेगा। सोच को जितना विस्तार देंगे, उतना ही फायदे में रहेंगे। प्यार और रिश्ते अहम रहेंगे। करियर अच्छा रहेगा। किसी अहम प्रोजेक्ट से जुड़ेंगे। प्रमोशन - इंक्रीमेंट मिलने की सम्भावना है।

मिथुन (22मई -21जून)- किसी प्रभावी व्यक्ति से मिला सहयोग उत्साह को दोगुना कर देगा। बेहतर काम की लोग तारीफ करेंगे। धन के लेन देन में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में सतर्क रहने की ज़रुरत है। छोटी सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। जीवन साथी के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। दूसरों का ध्यान आसानी से अपनी ओर खींचने में कामयाब होंगे। विवाह की बात चल सकती है।

कर्क (22जून -22जुलाई)- विशेष फलदायी रहेगा। मेहनती स्वभाव के कारण कार्यछेत्र एवं परिवार में विशेष स्थान बना पाएंगे। करियर सम्बंधित बातों में तुरंत प्रगति देख पाना मुश्किल हो सकता है लेकिन प्रयत्न करके परिस्थिति पक्ष में भी होगी। मेहनत करने की आवश्यकता है। निवेश का फायदा मिल सकता है , आर्थिक चिंताएं दूर होंगी। बेहतर स्वास्थ्य के लिए योग एवं ध्यान अपनाएं।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- अभी तक जो आर्थिक अस्थिरता नौकरी में दिख रही थी, वो दूर होने लगेगी। नौकरी में बदलाव या मनचाही नौकरी मिलने की सम्भावना है। महिला अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। तनाव को परिवार के सभी व्यक्ति दूर करने की कोशिश करेंगे। विवाह का योग बन रहा है। खर्च के प्रति सतर्क रहें। मौज मस्ती पर ध्यान ना देते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करें।

कन्या (22अगस्त -23सितम्बर)- शुभ समाचार मिलने की सम्भावना है। आर्थिक लाभ में बढ़ोतरी होगी। रोजगार व्यापार में प्रगति होगी। लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। लाभ मिल सकता है। उच्च अधिकारी योग्यता व प्रतिभा का परीक्षण कर सकते है। मनपसंद जीवन साथी मिलने का योग है। मांगलिक कार्यो में भाग लेंगे। धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ेगी।

तुला (24सितम्बर -23अक्टूबर)- जीवन सम्बंधित कोई बड़ी सीख दे सकता है इसीलिए नकारात्मक विचारों से दूर रहकर, सीख को लेकर आगे बढ़ें। करियर में सकारात्मक बदलाव कठिनाइयों से गुजरने के बाद ही दिखेगा। काम से सम्बंधित जो भी कठिनाइयां आ रही है ,उनका डटकर सामना करें। परिवार के सभी व्यक्तियों को गुस्से पर काबू रखने की अत्यंत आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक (24अक्टूबर -22नवम्बर)- परिस्थितियों का संतुलन बनाना आवश्यक रहेगा। ऐसा निर्णय न लें जिससे नौकरी पर प्रभाव पड़े। नौकरी छोड़ना या आय के स्त्रोत को छोड़ना ,परेशानी का कारण बन सकता है। कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। खर्च पर भी ध्यान रखना होगा। किसी भी प्रकार के रोग को आगे बढ़ने ना दें। परेशानियों से निपटने का प्रयास करें।

धनु (23नवम्बर -22दिसम्बर)- वाद विवाद में पड़ने की कोशिश ना करें, यह सही समय नही है। नई योजनाएं बनायी है, वे साथ नही आ रही है, फिर भी हार मत मानो, हर चीज में समय लगता है। यदि अनबन हो गई है तो दोस्तों या परिवार के बीच पुलों को सुधारने का समय अच्छा है। आगे कठीन संघर्ष है लेकिन सफलता निश्चित है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।

मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)- नया कार्य आरम्भ हो सकता है, इच्छाशक्ति मजबूत करें सफलता मिलेगी। फ़ालतू खर्चो से बचें। सेहत के प्रति सचेत रहें। योजना पर अमल कर। महत्वपूर्ण मामलों पर ध्यान दें। जीवन साथी के साथ समय बिताएं। खास काम प्रतिष्ठा और अच्छे प्रदर्शन का मौका देगा। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी)- अवसरवादी के लिए अच्छा होगा, क्योंकि उन्हें व्यवसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कई मौके मिलेंगे। संभावनाओं को फलदायी नतीजों में बदलने के लिए आशावाद ओर उत्साह से भरे होंगे। आय बढाने के लिए की गयी कोई भी पहल बड़ी सफलता होगी। जीवन साथी के साथ यात्रा की योजना बन सकती है। परिवार के विस्तार की योजना बना सकते है।

मीन (29 फरवरी -20मार्च)- विचारों में असंतुलन पैदा हो सकता है, यह भ्रम पैदा करेगा। लक्ष्यों पर फिर से गौर करें, इससे सोचने -समझने की नई ताजगी मिलेगी। यदि खुद को थका हुआ महसूस करें तो बाहर निकलें। दोस्तों से मिलें, इससे राहत मिलेगी। बड़े निर्णय लेने से बचें। स्वास्थ के प्रति लापरवाही ना बरतें। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ पर ध्यान दें। रिश्तों को समय दें। ■

पूर्व विधायक दिनेश चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने थामा भाजपा का दामन

प्रखर जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा संचालित विशेष अभियान के तहत आज विधानसभा क्षेत्र केराकत के चंदवक बाजार में विधानसभा क्षेत्र केराकत के विभिन्न इलाकों से विभिन्न समाज तथा विभिन्न पार्टियों के लोगों ने भारी संख्या में भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा,

भारी संख्या में अल्पसंख्यक समाज के लोग हुए शामिल

सदस्यता का कार्यक्रम केराकत विधानसभा के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी के नेतृत्व में आयोजित था, उन्हीं के नेतृत्व में विभिन्न पार्टियों से विभिन्न समाज के करीब सैकड़ो लोगों ने भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता ग्रहण कियो डेहरी ग्रामसभा के युवा प्रधान फरहान खान के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समाज के 50 से अधिक युवा, पूर्व ग्राम प्रधान छोटे लाल यादव के नेतृत्व में 50 लोग तथा डोभी ब्लाक के ब्लॉक प्रमुख संरक्षक अजय प्रकाश सिंह उर्फ केडी सिंह के नेतृत्व में सैकड़ो युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता को ग्रहण किया। सदस्यता के क्रम में करीब 500 से अधिक युवा, वरिष्ठ और समाजसेवी लोगों ने भाजपा की डबल इंजन की सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी, प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को स्वीकार किया। सदस्यता लेने वाले लोगों से वार्ता हुई तो उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का विकास, जिस प्रकार का उत्थान का कार्य भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन वाली सरकार कर रही है वह वाकई काबिले तारीफ है, सरकार की योजनाओं का जिस प्रकार से क्रियान्वयन बिना भेदभाव के किया जा रहा है वह सराहनीय है, प्रशंसनीय है। कार्यक्रम का संचालन डोभी मंडल के अध्यक्ष संजय पांडेय तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मछलीशहर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष बृजेश सिंह ने किया। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के उपरांत बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने कहा कि आज समाज में पूरे देश में जिस प्रकार की बाजार भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में बह रही है वह प्रधानमंत्री मोदी की देन है, राज्य के मुख्यमंत्री योगी की देन है` चारों तरफ विकास के कार्य हो रहे हैं, पूरी पारदर्शिता के साथ सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है आज उन्ही योजनाओं के क्रियान्वयन का प्रतिफल है आज का यह विशाल सदस्यता ग्रहण का कार्यक्रम आज की सदस्यता आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को काफी मजबूती प्रदान करेगी,और देश में पुनः नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 400 का आंकड़ा पार भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए का गठबंधन करेगा यही हम सबका मानना है।

एबीवीपी खेलो भारत के अंतर्गत एक दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न हुई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की खेल गतिविधि के अंतर्गत गाजीपुर के राजकीय महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेलो भारत के राष्ट्रीय प्रमुख प्रदीप शेखावत की उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदीप शेखावत, महाविद्यालय के प्राचार्या प्रो. सबिता भारद्वाज और एबीवीपी जिला प्रमुख डॉ रवि शेखर सिंह फीता काटकर और स्वामी विवेकानंद जी और मां सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किए। प्रदीप प्रदीप शेखावत ने कहा कि आज युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ खेल में बढ़ने की आवश्यकता है। युवा प्रतिभाओं को मार्गदर्शन और मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम है खेलो भारत। आगे

उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से मस्तिक और शरीर दोनों विकसित होता है और जब मन और शरीर दोनों स्वस्थ होंगे तब हमारा मन शिक्षा में भी लगेगा। जिससे हमे खेल और शिक्षा दोनो का विकास होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्या ने कहा की आज समाज में बिना लाभ के समाज के विभिन्न क्षेत्रों अपना समय देकर छात्र छात्राओं को बढ़ावा देने का काम कर रहे है। कार्यक्रम का अंपायर शंभू सर ने कार्यक्रम को निर्णायक पूर्वक सम्पन्न कराया।कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरित किया गया।जिसमे डबल्स बेंच में प्रथम पुरस्कार सुधा और शिवानी और द्वितीय पुरस्कार स्वीटी और अंजली तृतीय पुरस्कार हुमैरा और खुशी मौर्य विजेता रही।सिंगल में प्रथम पुरस्कार हुमैरा द्वितीय पुरस्कार प्रज्ञा राय और तृतीय पुरस्कार खुशी मौर्य विजेता रही।कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री विपुल, जिला संयोजक शिवांशु शुक्ला, नगर सह मंत्री ईशान पॉल, शाश्वत सिंह, डॉ अनिता, डॉ निरंजन यादव, डॉ संगीता आदि।

संक्षिप्त खबरें

सियार के काटने से किसान घायल

प्रखर जखनियां (गाजीपुर)। तहसील क्षेत्र के मनिहारी विकास खण्ड के मलिकपुरा गांव निवासी बालकिशुन यादव उम्र (58) बुधवार की सुबह छः बजे खेत के तरफ जा रहे थे कि पागल सियार ने काट लिया। इससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। परिजनों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनिहारी ले जाकर एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगवाएं।

शादियाबाद पुलिस ने किया न्यायालय के अनुपालन में वारण्टी को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों, लुटेरे, वाहन चोरो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के निकट पर्यवेक्षण में बुधवार को उप निरीक्षक हरिश्चन्द्र वर्मा मय हमराहियान के मा0 न्यायालय सिविल जज गाजीपुर मु0नं0 08/15 धारा 323/325/ 504 भादवि थाना शादियाबाद गाजीपुर के वारंटी के अनुपालन में वारण्टी शाहिद पुत्र स्व0 इजहार निवासी ग्राम मसउदपुर थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर को समय 06.05 बजे वारण्टी के घर के बाहर गिरफ्तार कर चालान मा0 न्यायालय किया जा रहा है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक शहीर सिद्धीकी थाना शादियाबाद, कांस्टेबल शशिकान्त तिवारी थाना शादियाबाद, कांस्टेबल चालक पियुष प्रताप राव थाना शादियाबाद गाजीपुर शामिल रहे।

15 हजार का इनामिया गोवध का वांछित अपराधी कोतवाली सदर पुलिस के फंदे में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में जनपद गाजीपुर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे चेकिंग अभियान व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर गाजीपुर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर गाजीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 08 फरवरी 2024 को निगाही बेग थाना कोतवाली क्षेत्र मे 23.5 कि0ग्रा0 गोमांस, एक अदद लोहे की बांकी , 02 अदद लोहे का चाकू, 01 अदद लोहे की कुल्हाडी व गोमांस काटने का ठीहा गुटका बरामद होने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली, गाजीपुर पर मु0अ0सं0 55/2024 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम पंजीकृत किया गया । जिसमें मौके पर ही 04 नफर अभियुक्ता की गिरफ्तारी कर विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा जा चुका है तथा एक अभियुक्त मेराज पुत्र अब्दुल बारी निवासी मोहल्ला निगाही बेग थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर की गिरफ्तारी शेष थी । वांछित अभियुक्त को श्रीमान् पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा गिरफ्तारी हेतु 15000/ रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया जो बुधवार को वांछित व पुरस्कार घोषित अभियुक्त मेराज उपरोक्त को निगाही बेग थाना कोतवाली गाजीपुर से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक दीन दयाल पाण्डेय थाना कोतवाली, उप निरीक्षक कृष्णानन्द यादव थाना कोतवाली, उप निरीक्षक अशोक कुमार गुप्ता थाना कोतवाली, हेड कांस्टेबल रमेश तिवारी थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

सुहेलदेव महाराज की मनाई गई 1015वी जयंती

पिंडरा। महाराजा सुहेलदेव राजभर की 1015 वी जयंती बुधवार को खालिसपुर स्थित सुहेलदेव राजभर पंचायत भवन पर मनाई गई। जयंती समारोह के दौरान सुहेलदेव महाराज द्वारा विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ लड़ी गई लड़ाई पर विचार व्यक्त करते हुए कहाकि गाजी मियां को खदेड़ने वाले महाराज सुहेलदेव ने देश व समाज के उत्थान के लिए किये योगदान को हमेशा याद रखेगा। जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए अतिथयो ने नमन किया। जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। अध्यक्षता रामसूरत राजभर व संचालन राजकुमार राजभर ने किया। इस दौरान विद्यासागर, सुभाष प्रधान, प्रमोद राजभर, हेमंत मिश्रा, दिनेश अनल, पारसनाथ बागी, गोविंद राजभर ,अनिल शर्मा, वंशनारायण यादव समेत दर्जनो लोग उपस्थित रहे।

आरएसएस कार्यकर्ता को शोक जताने पहुँचे बीजेपी नेता

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। क्षेत्र के शाहापुर गांव निवासी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण प्रमुख प्रदुम्न तिवारी की भतीजी प्रिया तिवारी के आकस्मिक निधन के निधन पर शोक संवेदना जताने का सिलसिला जारी है। बुधवार को भाजपा के परदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला के अनुज सत्येंद्र शुक्ला ने शोक

जताने उनके आवास पहुँचे। उनके साथ संजीव शर्मा, विवेक तिवारी, खुर्शीद अहमद, डॉ वीके यादव, बृजेश मोदनवाल, पत्रकार यूसुफ खान समेत अन्य लोग शामिल रहे। इस से पूर्व सूबे के स्वतंत्र प्रभार मंत्री गिरीश चन्द्र यादव, पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह ने भी पहुँचकर गहरी शोक संवेदना जताया।

पुलिस भर्ती परीक्षा के दृष्टिगत डीएम एसपी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 17 तथा 18 फरवरी को दो पालियों में पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के दृष्टिगत बुधवार को जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण किया गया। अधिकारी द्वय द्वारा शहीद स्मारक इंटर कॉलेज नंदगंज, टाउन नेशनल इंटर कॉलेज सैदपुर, आदर्श इंटर कॉलेज सियावा भीतरी सैदपुर, समता स्नातकोत्तर महाविद्यालय सादात, मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज बासुपुर सैदपुर, श्री महंत शिवदास उदासीन इंटर कॉलेज सादात इत्यादि परीक्षा केंद्र बनाए गए

स्कूलों का निरीक्षण कर वहाँ सुरक्षा संबंधित जायजा लिया गया। परीक्षा केंद्र पर लगे सीसीटीवी कैमरा, स्ट्रांग रूम तथा परीक्षार्थियों को बैठाए जाने वाले परीक्षा कक्ष का निरीक्षण किया गया तथा व्यवस्था में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल व शांतिपूर्ण संपन्न कराने तथा सुरक्षा संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया गया।

काम पर जा रहे 45 वर्षीय व्यक्ति को प्राइवेट बस ने मारी टक्कर अस्पताल जाते समय रास्ते में हुई मौत पुलिस कार्यवाही में जुटी

प्रखर संतकबीरनगर। टेमा रहमत चौराहे पर एक 45 वर्षीय व्यक्ति का तेज गति से आ रही प्राइवेट बस के चपेट में आने से दुर्घटना ग्रस्त हो गया । दुर्घटना की सूचना पर देव दूत बन कर मय पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे चौकी प्रभारी कांटे राकेश कुमार। बस की चपेट में आने से दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 45 वर्षीय व्यक्ति जिसका नाम जुबेर अहमद पुत्र गुलाम हजरत, ग्राम सफियाबाद बैरिहवा, थाना दुधारा जनपद संत कबीर नगर का निवासी बताया गया। 45 वर्षीय जुबैर अहमद सुबह के समय जो अपने घर से खलीलाबाद काम करने के लिए साइकिल से जा रहा था कि अचानक तेज रफ्तार से दिल्ली से आ रही बस नंबर HR 38 AB 6238 ने टक्कर मार दी । जिसकी वजह से जुबेर की साइकिल टूट गई और जुबेर अभेद गंभीर रूप से घायल हो गया ।

स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल को जिला अस्पताल भेजा गया जहा रास्ते में ही उसकी मौत हो गई । पुलिस के अनुसार बताया गया की बस चालक शमीम अंसारी पुत्र शमसुद्दीन अंसारी ग्राम बहरी थाना मोहफसिल जिला हजारीबाग झारखंड बस को लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टेमा रहमत चौराहे पर एक्सीडेंट कर के भाग रहा था कि, बस पकड़ने के लिए आर0टी0 सेट द्वारा सूचना दी गई बस चालक मगहर में भी एक स्विफ्ट डिजायर नंबर UP 32 MY 1180 का एक्सीडेंट करते हुए भागने के दौरान पुलिस के द्वारा पकड़ लिया गया। घायल जुबैर अहमद के परिजन को पुलिस के द्वारा सूचना कर दी गई। दुर्घटना में हुई मौत से जुबेर अहमद के शव वे को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम है मोर्चरी हाउस भिजवाए तथा परिजनो के द्वारा तहरीर प्राप्त कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।

मां सरस्वती की वंदना तथा मंत्रों के उच्चारण के साथ सूर्या स्कूल कैम्पस में मनाया गया बसंत पंचमी का पर्व

विद्या की देवी ही हमें विपरीत परिस्थितियों में सतमार्ग पर चलने का प्रदान करती हैं साहस : डा उदय प्रताप चतुवेर्दी

प्रखर संतकबीरनगर। जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान सूर्या सीनियर सेकेंड्री स्कूल खलीलाबाद का परिसर बुधवार को मां सरस्वती की आराधना के मंत्रों से गुंजायमान हो उठा। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सूर्या ग्रुप के चेयरमैन डा उदय प्रताप चतुवेर्दी, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सविता चतुवेर्दी, प्रधानाचार्य रविनेश श्रीवास्तव सहित सभी टीचर्स और स्कूल के बच्चों ने ज्ञान दायिनी मां सरस्वती की पूजा आराधना किया। डा चतुवेर्दी ने कहा कि मां सरस्वती की कृपा के बिना एक सभ्य समाज की परिकल्पना बेमानी है। ऋतुओं के सिरमौर बसंत ऋतु में मां सरस्वती की आराधना का सबसे शानदार योग माना जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की देवी ही हमें विपरीत परिस्थितियों में भी सत्यमार्ग पर चलने का साहस प्रदान करती हैं। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सविता चतुवेर्दी ने कहा कि ज्ञानपुंज की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की आराधना से ही मानव समाज की प्रगति का द्वार खुलता है। बसंत पंचमी जैसे पौराणिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्व पर मां सरस्वती का आह्वान करने से छात्र छात्राओं और शिक्षक शिक्षिकाओं को सत्यमार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानाचार्य रविनेश श्रीवास्तव ने कहा कि मां सरस्वती की आराधना से हमें अपने दायित्वों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने का आत्मबल मिलता है। इससे पहले सूर्या ग्रुप के चेयरमैन डा उदय प्रताप चतुवेर्दी और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सविता चतुवेर्दी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने द्वीप प्रज्वलित करके उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किया। बाद में संस्थान के संस्थापक स्व पं सूर्य नारायण चतुवेर्दी के चित्र पर पुष्प

अर्पित करके उनका आशीर्वाद भी लिया। प्रकांड विद्वानों द्वारा किए गए मंत्रोच्चार के बीच संस्थान के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने मां सरस्वती की आराधना किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के उप प्रधानाचार्य शरद त्रिपाठी, नितेश द्विवेदी, तपस्या रानी, आशुतोष पांडे, सहित विद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं मौजूद रही।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीराम महायज्ञ का शुभारंभ

प्रखर कुशीनगर। कसया नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर (मठ) पर चौदहवें वर्ष बसंत पंचमी के अवसर पर बुधवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीराम महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। हेतिमपुर स्थित छोटी गंडक नदी के तट से आये अभिमंत्रित जल को मठ से पूजा अर्चना के बाद कलश में भरकर हजारों की संख्या में श्रद्धालु हाथी, घोड़े, गाजे बाजे, ढोल नगाड़े के साथ मठ से नगर में निकले। कलश यात्रा नगर के देवरिया रोड, कुशीनगर रोड, पडरौना रोड, रामकोला रोड, सपहां रोड होते हुए पूरे नगर का भ्रमण कर वापस मठ पहुँची। यात्रा में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा व जलपान कराकर यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान जय श्री राम के उद्घोष से नगर गूंज उठा। महंत त्रिभुवन शरण दास व व्यवस्थापक देव नारायण शरण ने बताया कि कलश यात्रा के साथ प्रारम्भ हुए श्रीराम महायज्ञ के अंतर्गत अब 15 फरवरी से लेकर 23 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर में श्री अवध बिहारी कुंज, अयोध्या धाम से आये महंत गणेश दास महाराज के श्रीमुख से भव्य श्रीराम कथा व यज्ञाचार्य रामजी पांडेय की देख रेख में श्रीराम महायज्ञ सम्पन्न होगा। अयोध्या धाम से आये संतो द्वारा दस दिनों तक अखंड सीता राम नाम संकीर्तन भी चलता

रहेगा। 23 फरवरी को विशाल भंडारे के साथ पूणार्हुति होगी। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, नपाप अध्यक्ष किरन जायसवाल, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र, विजय कुमार गुप्त, आलोक श्रीवास्तव, ओम प्रकाश जायसवाल, कृष्ण कुमार, सभाषद राजेश मद्देशिया, सुमित जायसवाल, सचिन पाठक, शैलेष मिश्र, पप्पू जायसवाल, सुरेश प्रसाद गुप्ता, सिया शरण पांडेय, शशि भूषण तिवारी, संजय जायसवाल, विष्णु दास, विनय कुमार, निशांत सिंह, मिथलेश सिंह, धनंजय यादव, अरुण रावत, राहुल यादव, टिशू पांडेय, खुशी, ममता कश्यप, गुड्डी देवी, गंगोत्री देवी, दिव्यांशु, वंदना पांडेय, अनमोल तिवारी, चंद्रप्रभा पांडेय, दिनेश तिवारी, रामजी शरण दास आदि उपस्थित रहे।

अखिरकार डॉ. रमेश चन्द्रा पर शासन की गिरी गाज, हुए सस्पेंड

पीएचसी पर घायल का मेडिको लीगल के लिए आना पड़ा था राज्यमंत्री को, सीएमओ ने शासन से कार्रवाई के लिए भेजा था संतुति पत्र

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। अपनी कार गुजारी को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहने वाला पीएचसी सोंधी के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर रमेश चंद्रा को घोर लापरवाही के मामले में शासन ने निलंबित कर दिया । उन्हें एडी कार्यालय मेरठ से अटैच कर दिया गया। केंद्र का प्रभार एडिशनल सीएमओ डॉ एके पंत को दिया गया । एक माह पूर्व घायल युवक का उपचार व चिकित्सकीय परीक्षण न होने से नाराज राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव को अस्पताल आना पड़ा था । सीएमओ ने प्रमुख सचिव चिकित्सा बोर्ड को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा था। दरअसल एक जनवरी को स्टेशन गली में चाय की दुकान चला रहे एक युवक को रात्रि को दबंगों ने हॉकी डंडा से मारपीट कर रक्तरंजित कर दिया था । थाने में आवश्यक कार्यवाही के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचे तो चिकित्सकीय परीक्षण के

फाइल फोटो

लिए कोई डॉक्टर नही रहा । सूचना पर पहुँचे राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश यादव नाराज हो उठे । रात में ही सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह पहुँचकर शाहगंज सीएचसी से चिकित्साधिकारी बुलाकर घायल युवक का मेडिकल कराया । मंत्री का पारा गरम देख सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह ने जाँच कराया तो वह सोंधी केंद्र के अलावा जिला अस्पताल में भी ड्यूटी से नदारत रहे । उधर प्रभारी डॉ रमेश चन्द्रा खुद को जिला अस्पताल में अंत तक दुहाई देते रहे । इस चिकित्सक को पूर्व में तत्कालीन डीएम दिनेश कुमार सिंह, प्रभारी मंत्री समेत खुद राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव कई बार गंभीर शिकायत मिलने पर उन्हें फटकार लगा चुके थे । मंत्री द्वारा उस समय सीएमओ से कड़ी कार्रवाई के निर्देश से ही अंदाजा लगाया जा रहा था कि उक्त चिकित्सक पर गाज गिरनी तय है। सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह ने बताया कि इमरजेंसी ड्यूटी से नदारत और पीएचसी पर आकस्मिक चिकित्सकीय व्यवस्था न कराने के प्रकरण पर जाँच में दोषी पाये जाने पर शासन ने कार्यवाही की है ।

विनोद को एम्स नागपुर में प्रथम स्थान पर मिली सफलता

चार बार नेट व जेआरएफ की परीक्षा कर चुके पास, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के हॉस्टल में दूध बेचकर करता थे पढ़ाई लिखाई

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के हॉस्टलों में दूध बेचकर बिना मां बाप का बेटा चार बार नेट और जेआरएफ की परीक्षा में सफलता पाने के बाद नागपुर एम्स की परीक्षा में पहले रैंक पर सफल हुआ। जिसके पीछे संघर्षों भरा जीवन है। बता दें कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कुकुडीपुर गांव का साधारण कृषक परिवार से विनोद यादव रहे। दुर्भाग्य बस बचपन में माता-पिता का निधन हो गया। आर्थिक कठिनाइयों के कारण व पूर्वांचल विश्वविद्यालय की छात्रावास में दूध बेचकर गुजारा करने लगे। इस दौरान व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर विक्रम देव आचार्य से विनोद की मुलाकात हुई। इनके जरिए इनके शिष्य पंकज त्रिपाठी से विनोद का संपर्क हुआ और पंकज त्रिपाठी ने विनोद की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें अपने गृह जनपद आजमगढ़ ले जाकर हाई स्कूल इंटर की पढाई पूरी कराई। राज कॉलेज से स्नातक की परीक्षा प्रथम श्रेणी करने के बाद विनोद ने पतंजलि विश्व विद्यालय हरिद्वार से योग की शिक्षा प्राप्त की। विनोद चार बार नेट और जेआरएफ में सफलता मिली। इसके बाद नागपुर एम्स की परीक्षा मे प्रथम रैंक में पास किया और नागपुर एम्स मे विनोद का चयन हो गया। इनके सफलता पर प्रोफेसर विक्रम देव आचार्य व भाई सुदर्शन यादव से लोगों ने मिलकर बधाई दी। विनोद यादव ने कहा कि सफलता हासिल करने की लक्ष्य निर्धारण करना होता है तभी किसी मुकाम पर सफलता पाई जा सकती है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं